



I SSN 2229-547X VI DEHA

विदेह'१३२ म अंक १३. जून २०१३ (वर्ष ७ मास ७७ अंक १३२)



ए अंकमे अछि:-

गद्य



जगदीशसिंह सा 'सन्ध्या'- विहारी कथा- रमिखतनामा/ बूढ़ बिक छव



अमित मिश्र-विहारी कथा-दरगाहा/हँसी/अधिकार/ भूख



जितेंद्र कुमार-विहारी कथा- सीता



जगदीशसिंह सा 'सन्ध्या'- विहारी कथा- सत्य दावीय



गद्य







१. अमित मिश्र २.  अन्दल कुमार कर्ण- गजल




1.  खगदीने प्रसाद यादव २.  बाघदेर प्रसाद यादव 'साकदाव खीक गीत एरी साक

1.  बाजदेर यादव- दु छी करिता २.  बाजरीर वंजन मिश्र

1.  बिन्दुदेव ठाकुर- प्रवासक जेन्ना/ सुनि मिथ दु रीत हय/ अन्धव खिनगी २.  अद्वैत बजाक- गीतविक देवे

1.  कमल कर्माव कर्मा- रौत गजन २.  अमित मिश्र- लुगवा दरौत

बिदेह नूतन एक भाषापाक बचनलेखन-

 बिदेह मैथिली पोथी डाउनलोड साइट

 VI DEHA MAI THI LI BOOKS FREE DOWNLOAD SITE

बिदेह अ-पत्रिकाक सभ्ठा प्रबाण एक (ब्रैल, तिवहुता आ देरणागरी मे) पी.डी.एफ. डाउनलोडक लेन नीटाक निकषव उगळ्ठ अछि । All the old issues of Videha e journal (in Braille, Tirhuta and Devanagari versions) are available for pdf download at the following link.

बिदेह अ-पत्रिकाक सभ्ठा प्रबाण एक ब्रैल, तिवहुता आ देरणागरी कगमे Vi deha e journal 's all old issues in Braille Tirhuta and Devanagari versions



बिदेह अ-पत्रिकाक पहिल ३.० अंक

बिदेह अ-पत्रिकाक ३.०म अंक आगाँक अंक



बिदेह आब.एस.एस.एच.डी एनीमेटेडके अपन साइट/ रोजगपव नगाडु ।



बिदेह "लेखक" पब "एड गाडजेट" मे "हरीड" सेलेक्ट कए "हरीड सु.आब.एन." मे
<http://www.videha.co.in/index.xml> ठाँगप केनसँ सेहो बिदेह हरीड प्राप्त कए सकैत छी ।
गुणन बीडवमे पठरौ केन <http://reader.google.com/> पब जा कए Add a
Subscription रैठन दिजक कक आ खाली स्थानमे <http://www.videha.co.in/index.xml>
पेस्ट कक आ Add रैठन दराँड ।



Join official Videha facebook group.



Join Videha google groups



बिदेह वेडियो:मैथिली कथा-कविता आदिक पहिल पोडकास्ट साइट

<http://videha123radio.wordpress.com/>

मैथिली देरनागरी रा मिथिलाक्षरमे नहि देखि/ मिथि पारि बहन छी, (cannot see/write
Maitihli in Devanagari / Mithilakshara follow links below or contact
at ggajendra@videha.com) तँ एहि हेतु नीचाँक लिंक सभ पब जाँड । संगहि बिदेहक सुँभ
मैथिली भाषापाक/ बचन लेखक नर-प्रवास अंक पढ़ू ।

<http://devanaagari.net/>

<http://kaulonline.com/uninagari/> (एतए रोजगमे आँननागल देरनागरी ठाँगप कक, रोजगसँ
कापी कक आ रड डाक्यूमेण्टमे पेस्ट कए रड हाँगनेकेँ सेर कक । विशेष जानकारीक लेन
ggajendra@videha.com पब संपर्क कक ।)(Use Firefox 4.0 (from
WWW.MOZILLA.COM) / Opera / Safari / Internet Explorer 8.0 / Flock 2.0/



Google Chrome for best view of 'Videha' Maitthili e-journal at
<http://www.videha.co.in/>.)

Go to the link below for download of old issues of VIDEHA Maitthili e magazine in .pdf format and Maitthili Audio/ Video/ Book/ paintings/ photo files. बिदेहक प्रवाण अंक आ ऑडियो/ रीडियो/ पोथी/ चित्रकला/ ह्योथे सभक फागत सभ (उचाव, रीड स्वयं साव आ दूरस्थित मंत्र सहित) डाउनलोड करबोक हेतु नीटाँक लिंक पब जाड ।

VIDEHA ARCHIVE बिदेह आर्काइव



जातिबिधेव पुरी महाकरि रिन्यापति । भावत आ लगानक माष्टिमे पसबन मिथिनाक धवती प्राटीन कानहिँ महान प्रबुध ओ महिना लोकनिक कर्मतमि बहन अछि । मिथिनाक महान प्रबुध ओ महिना लोकनिक चित्र मिथिना बने से देखु ।



लौबी-शेकबक पानरनि कानक मुर्ति, एहिमे मिथिनाकबसे (१२०० बर्य पुरिक) अलिनेथ अकित अछि । मिथिनाक भावत आ लगानक माष्टिमे पसबन एहि तबहक अग्याछ प्राटीन आ नर स्वाप, चित्र, अलिनेथ आ मुर्तिकनाक हेतु देखु मिथिनाक खोज

मिथिना, मैथिन आ मैथिलीसँ सङ्गित सुचना, संपर्क, अद्ययण संगति बिदेहक सर्ट-गजल आ नुज सर्सि आ मिथिना, मैथिन आ मैथिलीसँ सङ्गित लेरसाँष्ट सभक समग्र संकलनक लेन देखु बिदेह सुचना संपर्क अद्ययण

बिदेह जानरुतक डिस्कसन ह्योकापब जाड ।

"मैथिन आब मिथिना" (मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय जानरुत) पब जाड ।



जगदाशन्द मा 'मय'- रिहसि कथा- रसिखतनामा/ बूढ बिबि डव



अमित मिश्र- रिहसि कथा-दबसाह/हँसी/अधिकार/ बुख



जराहब दाव कष्ट- रिहसि कथा- सीता



जगदीश प्रसाद माडव-वधुकथा-सच्य दावीम



जगदाशन्द मा 'मय'- रिहसि कथा- रसिखतनामा/ बूढ बिबि डव
ग्राम पोस्ट हविश्वर डीहठेन, मधुबनी

१. रसिखतनामा

सु०केँ राह दूतीरवसँ भेनहि । हुनक रँएससँ कबीरँ रीस रँरिथक रँसै हुनक रव । हुनक रवकेँ पहिबुक कनिगसँ एकठाँ रावह रँरिथक रँसै । राहक पाँट रँरिथ राँदो सु०केँ एखन धरि कोला सँताण नहि । अणन माएक आग्रहणव सु० दु दिनक जेन अणन लेहव एनी । एहिठाम माएकेँ केशेमे तेन दैत

सु० केव छेठ भाग, “दीदीसँ पैघ पतिरवता स्त्री आगकेँ दुनियाँमे कियो नहि हेएत ।”

सु०, “ अ एनाहिते कहत छैक । ”

छेठ भाग, “नहि गे माए, दीदीकेँ देखनहुँ अणन बूढी रवकेँ एतेक सेरा करैत जतेक आजूक समयमे कियोक नहि कवते । नहरेत-सुनारेत तीण तीण यँठाणव हुनका चाह नास्तुा जोजण दैत भवि दिन हुनके सेरामे आगन आ हुनकासँ कनी समय तेँठेतेँ तँ हुनक रँसैमे आगन अणन देहक तँ एकवा सुनियो नहि बँडे छै । ”

सु०, “एहन कोला गप्प नहि छै आ नहि हम कोला पतिरवता छी । ओ तँ, ओ अणन रसिखतनामा रँसैले छुथि जेकव हिमारेँ हुनक एखन अणनपव हुनक सभँठाँ सभँतिकेँ माँनिक हुनक रँसै होएत । आ जखन हमवा एकगो सँताण भए जाएत तखन हुनक सभँति, हुनक पहिनका रँसै आ हमर सँताण दुषुमे



रवारिव रैठा जखत ताहि दुराले रूढ़राले एतेक सेरा कए कइ जखल जी जे कहूना कतौसँ एकठा रैठा की रैठी भइ जे नहि तँ एहेन रूढ़राले ले पुछैए ।”

२ रूढ़ रीक छव

लना, “माए रारैराले हमरा सभसंगे भोजन किएक नहि दै छियनि ?”

माए, “रौआ रैठु रूढ़ भेनाक कावणे हुनका अण कौठनीसँ निकलेमे दिक्कत होगत छनि तँ दुराले हुनकव भोजन हुनके कौठनीमे पठा दै छियनि ।”

लना, “रूढ़ा रारैरी तँ दिन कए रारैरालेसँ घुमि कइ आरि जाग छुथि तखन भोजनक समय एतेक किएक नहि चनन हेतैए।”

माए, “एहि गप्प सभगव मियाण नहि दियो, एखन अ सभ अहाँ नहि रूमरै । रूढ़ सभके एनाहिते हे छैक ।”

लना, “अछा तँ अहूँक रूढ़ भेनागव अहाँक भोजन एनाहिते एसगव अहाँक कौठनीमे पठाएन जाएत ।”

अरौध लनक गप्पक उत्तर तँ माए नहि दए सकनखिन रूढ़ा अगिला दिससँ रारैराले भोजन सभक संगे होरैए नगनहि ।

३ जादुक छडी

दुसराँ प्रचारक सभा । जलसमूहक तीव्र उमडन । लताजी अण दुनु हाथकेँ उँजैत मागकमे टिकेब-टिकेब कए भाषण दैत, “आदरणीय भाग-रैहिन आ सभसु काका काकीकेँ प्रणाम एहि रैव पुनः अण धवतीक एहि (अण छती दिस गशिवा कए) नामकेँ भोठे दए कइ जीता दिख हेब देखु चमकोब । कोना ले सभक घबमे दुनु साँम चुल्हा जवइत । कोना कियो अस्पतान आ डाँकठेबक अठारमे मवत । हमर दरौ अछि आरै रैना पाँट रैथमे एहि परोपष्टाक गनी गनीमे पक्का पीट हेएत । ह्यारकेँ लोजगाव भेटैत । रूढ़, रिधरा आर्थिक रूपसँ कमजोब रसक लोककेँ बाजक तबहसँ पेशिन भेटैत । तखनीक नामो निशान नहि बहत । रैस ! एक रैव अण एहि सेरककेँ जीता दिख ।”

पोगरीक गवगवाहसँ पंडाल हिनए नागन । लताजी जिन्दारोदक नावासँ एक किनोमीठेव दुव धरि हया होरैए नागन । तीवरे सँ निकलि एकठा रूढ़ मटगव आरि, “एहि सभमे उँपसित सभ गणमान आ आदरणीय, लताजी एकदम ठीक कहैत छुथि ।”

ततरौमे लताजीक चरुकाव सभ, “राह राह, रारैरी केव स्वागत कक ।” पाहुँसँ दु तीवरी कार्यकर्ता आरि रारैराले मानसँ तोषि देनकनि । रारैरी अण गवदेससँ माना निकलि कए, “लताजी एकदम ठीक कहैत



डुधि । एतेक बाम अमगान्य कार्य हिनकर अगारौ दोसब कियो केए नहि सकैत अछि । जे काज ७७
बैथिमे नहि भेल ओ मात्र पाँच बैथिमे त्रु अजाएत किएक की ओ अदुक डडुी मात्र हिनके मग डुधि जे
एथल एहि सभामे अरौसँ पहिले भेतनहिए । ”

ए बरबागव अपन मतर ggajendra@videha.com पब पठाउ ।



अमित मिश्र

बिहनि कथा-दवमाला/हँसी/अधिकार/ डुथ

१

दवमाला

- नमकाब घनश्याम राँवु, सरँ नीके ल ?
- नमकाब, नमकाब । सरँ कशेल अछि । अपन बैताँ ?
- की कलौ, हानत पत्र अछि ।
- से किए यौ ? हम तँ मजामे डी ।
- डु२ मामसँ दवमाला ले भेटेल । ओना अहाँ तँ अगुरँगपव डी तखन एते ठाँ-राँ कौना ?
- अमनमे सबकारी दवमाला ले अछि तँ की भेल, अगतक दवमालामे कौना कमी ले अछि ।
- अगतता अहाँके पाँग किए देत ?
- अरँ मुर्यके के समामेते ? अँरँगपव ले अा क२ हमबा मार्यत काज कवरौएत तँ
दवमाला देरैये पडते ल ?

२

हँसी

- कत२ गेलिये ये ? किडु राँजु तँ ।
- दुव . . . हमर राँहि डोक । अहाँसँ राँत ले कवरँ हम ।
- हे हे एना अुनि कक । अहाँ रँतिअँरँ ले तँ हमर प्राँणे चलि अजाएत ।
- अाए दिँ । रँरँ ये हेते ।
- आथिब हमबागव एतेक तामस कौन राँतक अछि ?
- सडक पति अपन पनिके मिला-सकस गुमारौ डे आ अहाँ दिन-बाति दर्शला ले
देत डी । काजो करैक एकठाँ सीगा लागे डे ।
- अछ, एकव तामस डे । कल म२ग आँ . . . हम पाँग कामाँग डी अासँ नुन-हवदि
चलेत वहए आ अहाँ चिन्ता डुअु भ२ सदिखन हँसत वडु । अमनमे अहाँक हँसी
किरौक जेल घबसँ राँहव वहे डी ।



३

अधिकार

- लौ कोणमा ,काल्हि कल बरियाक मासुव भाव द२ आरिहे ।
- मानिक, ककरो आब कहियो । काल्हि हमारसँ ले लएत ।
- से किअक लौ ?
- अहाँके ले बुझन अछि काल्हि एलेक्शन छे ।
- ओहिसँ की ? श्रेष्ठ तँ तोवा हमले देन पागसँ भवतो । लता तँ ले एतो ।
- तैयो मानिक जहिया हमब अधिकार अछि जे काज केनाक रौद अहाँसँ पाग जेर तहिया भावत माता आ संरिधानक अधिकार जेरैये पड़त । जोड़ि कोणा देर ।

४

भुख

ओ पगली छले । पचिस-छत्तिस बर्यक भवन-पुवन देह दूदा द्वाग यमकन । नित दिन शीमनगर गस्वसँ उँस्व शहनगाग ओकर दूथा काज छले । फेकन पत्नी रा अखरौबक ठुंकरा मे सँन अन्नक किछ दागा ओकर भोजन छले । आरौत-जागत श्रेष्ठ दिने एकठक देखेत ,कखला क२ कोला थिड़की नंग चलि जाग । फेब की शी.शी.क दरौड स्वर्णाग आ पुनिसक नाठी सलगाग ,ओकरा नेन सरदिना छले । किओ ओकरा दुख ले चलि । एक दिन बोले-बोले अखरौबमे दुपन एकठा खरवगर नजबि अछि गेल । काल्हि वाति किओ ओहि पगली संग रौनकोब क२ ओकर श्रेष्ठ चापि देल छले । हमब मोषमे एकठा प्रेम रौब-रौब उँठि बहन छन । की रासनाक भुख एते ताकतरौब होग छे जे जाति-पाति ,धर्म-कर्म आ मन्थक ह्तिती धरि ले देखे छे ? नागि बहन छन जँ भुख एहिया रँदत बहत तँ महाधन्य आरौमे कया दिन शेष छे ।

ए बलापब अपन मतिर ggajendra@videha.com पब पठाउ ।



जराहब दाव कष्टग

बिहनि कथा- सीता

सीता

राह ! कि सुखद संयोग अछि , रियाहक गरम बर्य मे मिथिलेमे मिसर के एकठा रौपी भेनहि आ ओहो जानकी गरमी दिन / खुशी स मोष गदगद भेन बँह्ल, सुँय देरी अरौतवित भेनीह / नामाकबन के दिन रँटा के नाम सीता बाखन जाय / अधिकशि लोकक रिटाव भेन / दूदा रँटा के मास स्वर्णाग देरी महमति बहि भेनीह ।

मि०- अहाँ कि नाम बाखन छहैत छी ?

सु०- किछ हो दूदा सीता बहि ।



मि०- कियेक, सीता नाम मे दिकृत अछि ?

किछु उँतव बलि भेतत ...

मिथिलेने मिसव ठुव जेव स कहनथि, हम पुँछैत छी कियेक ?

सुनयना देरी मीति स उँतव देनथिन्ह " हम बलि चाहित छी जे हमर रैषी के नाम एहन स्त्री के नाम पव बाखन जाय जे अपना संग भेन अग्र्या के प्रतिकार बलि क सकनीह ।"

ई बचोपव अपन मतिर ggajendra@videha.com पव पठाउ ।



जगदीश प्रसाद मंडव

वधुकथा

सचर दारिम

नीन छुँष्टैते कमवाकाकाक मन उँडागलपव चनकननि । तगराणकेँ छुँदैसँ प्रणाम करिते मन बसकननि । बसकन बसेत मन दिक हनानावपव अँठैक गेननि, भोजन अँरैए केना ? दूदा प्रमसँ पहिल उँतव ताकरँ चनाक शिकारीक पहिटाण छी, कमवा काका तँ सन्ध । अजरीर 31 दूनियाँ सज्जन अछि । राँवहो मस हन-पात रँनि-रँनि रिनहागत अछि तँ तहिना ले अन्नक हिम्सा छै । राँवहो मसक राँवहो बँगेमे मज्जि-मज्जि अँरैए । मन ठमकननि । ठमकिते चन्द्र कौशिक धावकेँ सूर्य कौशिकीय धाव दिस ठघरैत देखि मन ठघरि गेननि । दारिम हनक समथ आरि गेन । दारिमपव नज्जवि पछा ते दारिमक दानारना दुतापव पडननि । मसुाछी दुता जकाँ ओहो रसहा कागतक आरि द२ द२ दुता सज्जैए । टोवाएन दानापव नज्जवि पछा ते बससँ तवन डर-डरौएन तक पहुँचननि । मसमे खुँशी बसकननि खुँशी 31 बहनि जे उँगजौनिहाले ले टोवाएनसँ डर-डरौएन धरिक बस पीअत आकि कोन्ड सँठेवक रँमि छी जे एके बस भेँठैत । कहूना-कहूना तँ दु मसक जगह तगराणक घब अपना रँलौले अछि । टोवाएन-सँ-बसाएन धरिक समथ । नगजे मन उँषष्ट गेननि । हन तँ भेँठैत दूदा गोरिवक नेरा कहाँ अँरैव नगौजिध । नर-नर हरा रँनले नर-नर किड 1-फर्तिगीक जन्म होग छै । जखन जन्म हेते आकि खागले दोगत । तनहि किछु उँगकारो क२ दिखए दूदा रँन छोडा कहाँ कोलो हन अछि जेकरा किड 1-फर्तिगी दुँगर ले करैए । रँनो तँ अपना जाण रँटा टाणक कप धेनक तँ, ले तँ कि नारिकेनसँ मोष्ट खौंगटा होग छै ? गाढमे ग्रा छै जे जहव-रातकेँ नग अँरै ले दग छै । बतमि मन कमवा कक्काक रँवस्र नगननि । कतए गेन सएओ किमिसँ उँगव रँनक रँन, कतए गेन रँमरँ-मानदह-रँजनी-बागविक रँन । कतए गेन नताम-लरौक रँन । जेहेन हन तेहल ले फुनो आकि जेहल फुन तेहल हनो । दूदा फुन तँ गाढक अन्नक होगत । रँनक गाढे सुगन्धिक ले फुनो तहिना । दूदा धवती तँ धवती छिध रँन नगा रँनरानी बामक हँरी रँनारी ले तँ जंगन-नाव ले त२ जाए 31 तँ मालिध रँते सँभर अछि... ।



तिनसुबका मल नगले अकछि गेननि फमरा काकाकेँ । रौडेो पी हाथ ले नागन बहनि । अकछि क२
 उडागलसँ उठि मलमे रोपि जेननि । जे दावीमामे हाथ नगाएँ । खागक समए तावीथक हिमरसँ काहिह
 छटि गेन । जेब मल ठामकनि । आठो गाढमे एकरेव हाथ नगाएँ आकि आगु-पाडु । जौ आगु-
 पाडु नगाएँ तखन तँ अघडनेले-अघडनेले सब बहि जाएत तगसँ नीक जे आठोमे एकरेव नगाएँ ।
 किअए लेदाणकेँ अघाडक खनदाणसँ नगड । हेते आकि नावगीकेँ दावीमसँ । किअए ले सब एकराग रैस
 रिटावि जेत जे भाय सब एकर खनदाणक छिअ । मिथिना अणष जणमरसँ भेन, खनदाण जे उंष्टन
 जाग छह तगले सब चनेह बाजबानी आ कहरेँ जे दु मामक जे हमब हिमसा अछि से जेरें कवरेंह ।
 जंगन बाज ले रौणक बाज रैलेरें कवरेंह ।

जमथे करेसँ पहिले फमरा काका छह पीर पथिया लल दावीमक रौडि पडूँछना । आडि पव
 पथिया बाधि आठो गाढकेँ एका-एकी हिया-हिया देखथे नगना । फनक गिनतीसँ बुमि पडननि जे पाँट
 गोष्टे परिवारक दु मामक अछि । तोडिजे हाथ जखल रैठ गनि आकि फनक पीठपव नजवि
 पडननि । कावी ठिमकाक संग मोष्टपव डुव । डुव देखि मल काहि उठननि । फन सडन अछि ।
 दिरावक ठेले देखि दिरबनगयक परिचय होग छै । दोसब देखननि सेहो छेदाएन, दुनु फन
 तोडि पथियामे जेननि । दोसब-तेसब टाकि आठो गाढसँ आठो किमिमक फन तोडि आडि पव
 रैसना । फनक वंग-रुप देखि मोरुनी मल ले कमनि द्दा कमनि जकब ।

गाढपव सँ नजवि उठिजे फमरा कलाक मोमाँ रौरी आरि गेनथि । पहिल गाढ रौरेक रोपन
 छिननि । हुनके रौणन माटाला-खोपडि क जगह छिननि । गाढक तँ पवना डारि सुथि गेन द्दा
 जडा यो अणष जगह रौणनेत जीरिते अछि आ नर-नर गाढ रैलेरेंते अछि । जणकक फुनराडि क
 अमूनय फन दावीम । देशीक विकास तेजसँ भ२ बहन अछि आ जणकक फुनराडि तहिना तेजसँ घष्टि
 बहन अछि द्दा द्दा कहक द्दाकी पाले खाएन दाँत जकाँ बुमि पडैए । नजवि आगु रैठि ते दोसब
 गाढपव फमरा काकाक अष्टननि । अ गाढ रौरुक रोपन छिननि । ओही गाढमे -रौरीरौना गाढ- कनम
 नगा रोपननि । ओना रौरीरौना गाढ अखला अछि द्दा अणषा तक अरैत-अरैत तीण पीठि क फनक
 गाढ छी । मिथिनाक अदोक फन दावीम ।

ओगरेव अगते आदा रैविमन बह । मलसुन जागन । हान बसागते गाढक डारि माष्टमे
 गाडि देनि । ओना रौरी कहनाँ बहनि जे रौरी दावीम, नताम, लरौ गत्यादिक गाढ डारिसँ
 होग छै । जेठ-अखावमे आदा होग छै, गवनी माम जुआ क२ पकि जाग छै तखन आदाक समए
 अरै छै । ओना मोसमक शीत-प्रतिशेति शिर्षावित समए ले अछि । आला-आला सथेमे एक-दोसबाक
 कप पकडि नगए । माष्टमे भनि रैकमात गाडन बहत तँ अणल ओगमे सीव निकलि माष्ट पकडि
 नग छै । गाढसँ ओग डारिकेँ काष्ट किड नि ठेमाग-जे जोडि देन जाग छै । अगते कातिकमे
 उंखाडि रोपन जाग छै । मिथिनाचनक कातिक धवम मामक गिनतीमे अछि । द्दा ओकब महत तँ
 तखन ले जखन धर्म सुन जकाँ सजाएँ । ओना अणष सब अणुकुनता पमावि दगए द्दा रिष हाथ-पएव
 बुते हएत की ? अलको फनक खेती, अलको फुनक खेती अलको अलक जण्य देनिहाव पौमिनिहाव
 मिथिनाक माम कातिक छी । मलमे डगुता नगननि जे केहेन कवामाती सृष्टिकर्ता छथि जे केतो
 रीअसँ गाढ तँ केतो नतीसँ गाढ, केतो नतीमे फन तँ केतो गाढमे तवकावी, केतो डारिसँ गाढ तँ
 केतो डारिमे सीव । केतो फुनसँ गाढ तँ केतो पतसँ गाढ । सृष्टिकर्ता केना बुमि गेनथि जे
 रौन मल फन जखन रौणने छी तखन ओगवरीहि जेन काँष्टे नगा देरें नीक हएत । ले तँ हिया-पता
 गुनारौ फुन आ दाविमो मल फनकेँ दुगव क२ देत ।



दोसब पतिश्रानीपब बज्जबि गड्डी ते धक् द२ मल गड्जनि, द्वाबका । द्वाबका गेन बही ओ गनाका देखेक मल भेन तँ नागपुब सेहो गेलौ ।

ओतै जखनि नर्मबीमे गेलौ तँ वंग-वंगक दाबीमक गाछ सत बहे । मलम कपमे रेदना कहि दुष्टी गाछ अगलौ । ओना मल भेन जे एकेष्टी गाछ किनरँ किअक तँ एकेष्टी गाछ रोपेक बहए । द्वादा जहिया अगल रात कहनि, तहिया गाछोरना कहनक-

“नर्रैसँ पगटागरै प्रतिमेत गाछक गावँठी कबै छि । एकष्टी जेरँ आ ओ पाँच आकि दम प्रतिमेत जे रिगु गावँठीक अछि से कही अही सिब लै रिना जाए, एकब गावँठी तँ लै कवरँ ।”

जँचन, कहनि-

“जखनि दुष्टी गाछ एकक गावँठीमे जेरँ तखन तँ एकब दामो कम हेते ?”

प्रथम सुनि गाछोरना ठामकेत राजन-

“डेठ गाछक दम द२ दिअ ।”

आनि क२ बोगलौ । द्वादा ठीके कहनक । एकेष्टी गाछ नागन । एके सग दुनु किसिमक गाछ, एके-ज्जीरणमे ज्जीरैए । हनमे किछ अन्तब दुनुक रीच अछि द्वादा एकवगाहे खेती-राँच रीच उगजेए । ओना माँठक गुण, पानिक बस फुँठ-फुँठ भेले सुखानो आ गुणोमे किछ फुँठता आनियेँ दग छै द्वादा सग लै खबल मीत लै भेन सेहो तँ बहियेँ अछि । सतोक जलम तँ सधमे एकेसँ होग छै । खैर जे होउ... । जहिया राँचाधामक रिमरामु हन मोले-मान कायोव उँठरी रहए द्वादेव घाँ, सुगया गहाँ, शिरगगा पोखरि, चन्द्रकुप लपानी माकन जकाँ छोट-छोट मदिब, लोनकथा दर्शनकक सग राँचकीनाथक दर्शन । द्वादा हन-हनक -शिरिगीग हन- दर्शन भए लै पलैत । जेँ होगत तँ जकब माग-मिवाटाग खेनिहाबि पतबका गहाँ मीवाटागक रीखा आनि नलोरतथि । किअत तँ टुड 1-दही खागकान जकब ओग मीवाटागक दर्शन केले हेती । दर्शन तँ दर्शन छी, ओहूना तीमल-तबकाबीमे मीवाटाग देन जागए द्वादा ओकब मात्र एक गुण, कडू गुण शैय रँचैए । द्वादा टुड 1-दही तँ मीवाटागक सराबीपब चलेए । अखड 1 टुड 1, दोखड 1 दही, तेखवा टीनी रीक संयोगे लै टुड 1-दही जोजल भेन । जेँ टीनी द्वाँह मिठौनक तँ दही खष्टिणक । सम-गम ज्जीहे लै मीवाटागक असन सुखानो आ गुणो पारि सकेए । द्वादा ओ तँ सथान शिषेय गुणक शैकृति छी जे आकारित करैए । रेदना गाछ राँचक हनराँच मे सजे भवि पडाति हुना क२ हन दिअ नगन । ओना पहिन खेप एकेष्टी फड्जनि । हनक आकाँका जगौनक । राँचधाम जकाँ सथाला-सथान देखरौ आ करैणक उँतकठा रँचौनक । रिटाब भेन जे द्वाबकाक हन-हनराँच 1 आरिये गेन से लै तँ अगिना मन प्रयागमे कमत् मेना हएत ओतए जाएँ आ नर्मबीक मलम आनरँ । सएह केरौ । ओहँयामक अनाव छी । गाँजेक माँड ओहिया जहिया दाबीमक, पातो तहिया हुनो तहिया हनो तहिया । जेणा एकर हनखुँठक हूअए । पाँचम गाछपब बज्जबि अँठैकते कमवा काकाक मल अनावक तीतब प्ररेशे क२ गेननि । मोती सदृश्या दाणाक छता, मधु सदृश्या बस, रँसहा कागतमे नपेँठन, देरघबक पेड 1 जकाँ । पथियाक हन निहाबननि । सएह छी अनाव, ओहो छेदागए गेन अछि, भिसिक एकबो दना... । मल तुकछि गेननि, पथियामे बाखन छुँम हन निकाननि । सएह छी नावगी । सत हाव-काँठ एक बहियो किछ तँ अगला गुण-धर्म बखल अछि । ओना कमवा काकाक मलसँ अनाव हँष्ट गेन छेननि द्वादा पथियामे जे छेद गले बाखन छन से ओहिया अँथिमे गड्डीत बहनि । हविद्वारसँ नावगी अगल बही... ।



हनक प्रति जिह्वासा ठौरो रँठननि ह्मदा हविद्दाव तँ हवि दुआव छी । जहिया एकठा गान्द नर्मवीरनासँ माँगनिधँ तहिया ओहो हिसरासक सँग कहनक, अगन नर्मवीक गान्द मले नगध । ठीके कहनक । रएह छुठम गान्द छी । ह्मदा अगिसे जेते घी देन जाग छे तेते ओकव नहस रँठ छे तहिया मसक नहस जागन, सातम गान्द कर्मीवसँ अगल बही । अमवनाथक दर्शन आ अनावक गान्द ओहिया अथला अथिक सोमनामे अछि जहिया अगि क२ बोसे दिस बहए । जहिया अमवनाथक कर्मीव तहिया नर्ममठयो बाज्य छीहे । सब दिस उगठाम नर्ममठे लोगत आएन अछि । रिहाव जकाँ कहाँ असथिब अछि । अकरले नगसँ तमाशा लोगत आएन अछि । अथला कनी-मनी रीसे भ२ गेन अछि जे उँनिस ले भेनहै । थैव जे होड... । ह्मदा जे होड रौगक रौन आ नीनक मिनहोवि रिहावसँ रैमी खेजिते अछि । जेहल शोलीमार निशोतक रौन तेहल डन नीन । धानक भात-दूड । गहूमक बोठी, मकग तुजा जहिया अगना सब खाग छी तहिया ओहो सब खागध ह्मदा मनड'ए अगना सबसँ रैमी । किअए ल रैमी मनडत, अगना सब पानिक रीचे आ सुखजोमे पानि ठावि नहाग छी ह्मदा ओ सब रैमी रैवहमे नहागध । ओना अकाम गंगक जनधाव सेहो लोगत छे, ह्मदा अगना सबसँ कम । अगना सब एकठामे जकव पढुअएन छी जे हन सड । क२ ले खाग-पीरे छी... ।

तरँवन मस ह्मदा काकाक तँए रैमी सेरियास दिस नजवि ले छेकननि । कोलो रसतुपव नजवि छेकाएरँ धिया-पुताक खेन ले छी, जिगगी छी । जिगगीक रँठ रँलोणाग मिखरँधे । ह्मदा जहिया रँकसा-पेठीमे तहिआएन कपड ।क रीचमे निचनो तह तक जागत-जागत मस उँठनध नहोत तहिया उँठनागत मस काकाक आठम हनपव गेननि । अगलेकमे जहिया गान्द । नीन छुँछे जागत तहिया तरु खूजनि, अ तँ जगवनाथक मलस छी । एक दिस सद्दक नहवि तँ दोसव दिस अकाम ठेकन पहाड सेहो ठाठ अछि । सद्दक रीच जिगगी जहिया हँसत-खेलैत छलैत तहिया दोसव दिस पहाडक रीचे छलैत । जेकवा ल खेत छे आ ल अगन किड आन रसतु । मिथिनाचनक ह्मदा सगलदाक आधाव खेत बहन अछि, अथला अछि । ह्मदा पंगु भेन अछि, जग मिथिनाक दिशो दृष्टि छेकव दैत आएन अछि ओ मिथिनाचन माँठि-पानि सएओ किमिक हन-हुन आ अल उँपजरेक शक्ति सेहो बखल अछि । रँवोजगारीओ पसवन अछि आ काजो पसवन अछि, ह्मदा... ।

रौवहो मासक खेती, रौवहो मास जोत-कोवसँ न२ क२ वातिक नर भोजन धरि मोसमीसँ न२ क२ रँवहमिया हन-तबकारीक सँग दुब-गान्द सरँहक आधाव बहियो रौवाण भेन जा बहन छी ।

आठो गान्दक सोला हन ह्मदा काका कतासँ कठननि । सरँहक भीतव खोगटाक तबमे कोयना जकाँ कावी तगर्रीक काड । मवन देखननि । डिडि आएन छुँकड ठीके पधियामे समेष्टि कात जा ह्मकरँ नीक रँमननि । एक तँ ओहूना जेहल हन तेहल दागो नहो छे । तेपव आवा कावी-खोवना भेन अछि, तेहल दगनियाँ देत जे ह्मदो रसतु धेलै बहत । पधियामे उँठा कातमे ह्मक आरि गुम भेन रिचाव नगना, जखन एकठा टाँव सिद्ध भेल लोक रँमि जागध तहिया सडन हन देखल तँ अह्मन कएने जा सकै जे अहिया सब सडन हएत । ह्मदा एकवो तँ पहिचान अछि, जगमे त्रु हेते ओ सडन भेन जगमे ले हेते रा छोँठ हेते ओगमे तँ आशा कएने जा सकै... । ह्मदा छुँछेत ह्मदासँ मस असकता गेननि । कलुका जेन अगिना काज ठावि जेना । काजक निचनी ह्मदा कक्क मलकेँ असथिब केनकनि । असथिब लोगते मसमे उँठननि, जहिया दारीक दाषा मोती जकाँ सजन बहए तहिया ल मसतु कपी दाषासँ सजाओ अछि ।





दोसब दिन हल तौड़ा अलेसँ नीक फुमावा काका साड़ोयेक रीट कतासँ काँष्टि देखबै नीक बुँसननि ।
आठो गान्ठक सभ हल सड़ा गेल अछि । फुमा कि ओकवा काँष्टि क२ हेलक देल जाए आकि समासाबुकल
बैलोन जाए ?



ए बचसापब अपन मतिर ggaj_endr_a@videha.com पब पठाड ।

पद्य

१.  अघित मिश्रि २.  फुमाव फुमाव कर्प- गजल

१.  जगदीश प्रसाद माडव २.  बाजदेर प्रसाद माडव 'साकदाव जौक गीत एबै साक

१.  बाजदेर माडव- दुँष्टा करिता २.  बाजरीर वंजल मिश्रि

१.  बिन्दुसेव ठाकुर- प्रसक देता/ सुनि मिथ दुँ रीत हल/ अहाव जिनगी २.  अदुन बजाक- गताविक देगे

१.  अघित मिश्रि २.  फुमाव फुमाव कर्प- गजल

१



अमित मिश्र

आंग मिथिनामे सीया सीया शैव भ२ गेलै
वाति कारी छलै से गजोव भ२ गेलै

जलकक मिया जलककी एनी घब घब राजए रँबैया
ढुम ढुम नाचए रँबखा वाली दूब भ२ गेलै रँबैया
धवती उँल्लव, हबियव कटोव भ२ गेलै
वाति कारी

उँमरिक संग संग जल्ला रँदम रँनली टँचन मिया
आँखुव कंगुबिया शिर धण्य उँठेननि संगरो एकव टर्च
सीया मिया जगतमे रँजोव भ२ गेलै
वाति कारी

नित दिन शैवीक पूजा कएननि रव पवमेसुँव पएननि
वाग तपस्या एहन देखु महनजोर्डी रिगिन रँौएननि
नर-कशिक प्रेम पवजोव भ२ गेलै
वाति कारी

जलककी उँसेर आँउ मरारी रँसाथक फूल नरमी
जलकक मरामी उँमरा ले हेते ग्रा मिथिनाक धवती
"अमित" जागु नर दिसक भोव भ२ गेलै
वाति कारी

२



कुन्दन कुमार कर्ष

गजन

मोणके रौत कहि दिख
प्रेमके संग रँहि दिख



दिल हमर अखल खाली
ताहिमे प्रिय बहि दिख

मीठगब चोष्ट लहक
कनि अहाँ प्रिय मरि दिख

ठोबगब हँसिक मोती
हँसि हँसिक प्रिय गरि दिख

भारणा हमर जिख बूमि
दर्द मरुबसल बरि दिख

हमायबुल-हमागतान्
२१२-२१२२

ई बचनगब अगल मंत्र ggajendra@videha.com पर पोछा ।



१. जगदीश प्रसाद म्छव २.



बाबुदेव प्रसाद म्छव 'साकन्त' खीक गीत एरि साक

१



जगदीश प्रसाद म्छव

दान कौमिकीय.....

दान कौमिकीय धरि धार



डुमि जखन मोती पैनक ।

अडक मल तबलि-तबकि

अबलित-सँ-तबलित पैनक ।

छन्द कौमिकीय धरि धाव

डुमि जखन..... ।

नाभ-जाभ मसनि-पसनि

जिनगी धाव रैहि पैनक ।

गठे-गठे गठे गठे गठिया

गंग अकमि-रुकमि पैनक ।

छन्द कौमिकीय धरि धाव

डुमि जखन..... ।

शिखर शीशे सबनि मेज

खुमि धवती धाव रैलैनक ।

धारे-धाव धरि धरि या

सागर-गंगा गार्ष्ट पैनक ।

छन्द कौमिकीय..... ।

सगर सागर संग सगोर्डा

टीत शान्त चेतन पैनक ।

कमल बीन अकाम चरि



सत् सागव अकाम हुल्लेनक ।

चन्द्र कौमिकीय..... ।

अधम-धम-सुधम रौण

सुधम-धम डेहोत पेलक ।

गीत जिनगीक गारि गरिया

हाव हरि चढोत पेलक ।

चन्द्र कौमिकीय..... ।

पवदेमे जेते.....

तेया यो, पवदेमे जेते ।

ले डे नञ्जति गाम-घबमे

ले डे चाजि-रौरहावमे ।

रौणी-राणी एकामे ले डे

ले डे आस-रिसराममे ।

अही कछु भाय, केना क२ बहते

तेया यो, पवदेमे जेते ।

मर्त रैमि भूमि मर्द जखल

धरि धरि नञ्ज पठ-पेठमे ।

हँमि-हँमि जाती चरि-चरि

कु नञ्जति सु वणक्षेत्रमे ।

अही कछु भाय, केना क२ जेते



डैया यौ, पबदेमै जेते ।

डेलै डूमि कहियौ डूमा सुण

रौम-सुरौम सजन डेलै

देर-दाणर माणर रैमि रैम

अकप-सकप रैलैत गेलै ।

जिनगी केना छैक छैक पौंते

डैया यौ, पबदेमै जेते ।

दूब रैमि दूरुमा देखि-देखि

मनकावी मनकावि भवै छै ।

दूब देमै दूब-दूब दूबदूबा

अगण पौकय पारि कहै छै ।

अही कछु भाय, दम केना अछैते

डैया यौ, पबदेमै जेते ।

कमल सगव किनकावी भवि-भवि

रैथा-कथा हिन-हिन कहै छै ।

डूम-कडूम डूमहुव रैमि-रैमि

ब्राहि-गाम कमे प्रष्ट कहै छै ।

अही कछु भाय, केना लै नीरैते

डैया यौ, पबदेमै जेते ।



अन अन अन-अन

मद रौतन-शीशी भरे छै ।

पीरिसे मद मदहोशे रनि-रनि

टन-गहटन रिसवए नछे छै ।

अही कछु भाय, रिसवन मष केशा गछते

भैया यो, पबदोशे जेते ।

गोड 1-हाथी, छुँछे रनि रनि

बह-बाली बराम चले छै ।

योछा-गछु सबसिज सिबजि

भूमिरीव नाँउ धरए नछे छै ।

अही कछु भाय, किअए ल बहते

ले यो भैया, जेरें कबते, जेरें कबते ।



उज्ज ओमवी.....

उज्ज ओमवी सोम आरि-आरि

पङ्खा सोमवी एव पकड़नक ।

उज्ज-सोम सोमवी करैये

सोमवी एव सोमवी पकड़नक ।

सोमवी एव सोमवी पकड़नक

पङ्खा सोमवी..... ।

घीटि-घीटि पाङ्ख पङ्खा पकड़ि

ष्टिकामल चढि आसल जमोनक

कखला टीत अँतभव कखला

चलि चलि टोतना मावनक ।

चलि चलि टोतना मावनक ।

पङ्खा सोमवी..... ।

सोमवी केशा ओमवी रँनि-रँनि

सोमवी रँष्ट सोमिया भगोनक ।

ढाती हाथ धीव धकेल-धकेल

सोमवा-सोमवा सबसिज चढ नैक ।

सोमवा-सोमवा सबसिज चढ नैक ।



गढखा सौमवी..... ।

अपल रोगन गाडी तताग

आकि सौखरि बाँउ चउ नौक

सौखरि तताग आकि गाडी

मम मदिब रिस-रिसा कहनक ।

मम मदिब रिस-रिसा कहनक ।

गढखा सौमवी..... ।



पानि रीच.....

पानि रीच सद्दुद रँसम डै

आकि सद्दुद पानि कहलै डै ?

सज्जि-सज्जि साज्जि सरोरवार-सोरो

तहिना संग सगरो सज्जै डै ।

पानि-रीच सद्दुद रँसम डै

आकि सद्दुद पानि कहलै डै ।

रँनि धूँआ धूँकावी रँनि-रँनि

अकाम नील सज्जै नली डै ।

धड-धडि धाव धडि -धडि धवती

कमल नील धिनरँ नली डै ।

पानि रीच... ।

रूँल-रूँल रँड-रँड रँनि-रँनि

धड धवती धन वाशि धड डै ।

दस दुआवी नझी रँनि-रँनि

अकाम-पतल रँखाव रँलै डै ।

पानि रीच... ।



मम मडन धनमडन रँमि-रँमि
हीय पतान हीय अकाम रँमि छै
मह-मह महि-महि झूथमडन
मवथन रँमि अमृत रँमि छै ।
पानि रीच... ।

कथला मधू कष्ट कष्ट कथला
नम-नम नाम धडरँए नली छै ।
छटा अकाम अकैस नकैस
धड-धवती धन बाशि धड छै ।
पानि रीच... ।

सुराम-अकाम मह महा-महा
मिमा-मिब ममीब मज्जरँए नली छै ।
जूली-रँगी मंग महेवी
नष्ट-नष्ट-नष्ट कवए नली छै ।
पानि रीच... ।

एरौ-जेरौ रौष्ट रँमि-रँमि
गंग अकाम रँमि नली छै ।
धड-धड । धवती तेज-लीत
नाभि कमल मिनरँए नली छै ।
पानि रीच... ।



बबम-गबम सबम रँनि-रँनि

मिगाव मजि मिब चनए नलौ डै

शेरै प्रेम पहिया प्रसून रँनि

भङ्ग प्रेम बस परँए नलौ डै ।

पानि रीच... ।



रैसी धाव.....

किणहवि रैसि कन्ह-कन्हूआ

रैसी धाव नगौल छिअ ।

चेकरौ-पेगौठी रौव रैसा

लेहूक सिवा चभल छिअ ।

लेहूक सिवा चभल छिअ ।

रैसी धाव... ।

नहकि-नहकि नहकी नहका

घिङ्गी चागन धड़ोल छिअ

धाले रीच खेना-खेना

हेना हेन हेनरौ छिअ ।

हेना हेन हेनरौ छिअ ।

रैसी धाव... ।

रिष छिपे झीग झीग-झीग

ऊन्ठा गठैक मारे छिअ ।

गुड्डी-गुड्डी गकडी -गकडी

हवदा-हवदी भरे छिअ ।

हवदा-हवदी भरे छिअ ।



रौंसी धाव... ।

सुखीद-रुखीद रूँमले रीना

धावा जिनगी हेली छिं ।

हावि थाकि मल गावि-गावि

उँदल-अलु देस्ये छिं ।

उँदल-अलु देस्ये छिं ।

रौंसी धाव... ।



जरीरठ रान्हि.....

जरीरठ रान्हि जिगगी जखन
आगु देग उठरैए नलौ छै ।
धड़ धवती अम-अमा अकाम
सहब-सिहबि डोमए नलौ छै ।
सहब-सिहबि डोमए नलौ छै ।
आगु देग..... ।

भवन राह्य राह्यगंडन जहिया
कसम-कम भवन गड़न छै ।
रिग्न हिनकोले रौंछि ल पारैए
समर सगव गड़न छै ।
समर सगव गड़न छै ।
आगु देग..... ।

मृत भूमि अमृत भूमि रँसरैए
अगुआ देग हूअ नलौ छै ।
गडुआ गडु गडुआ - गडुआ
डुआती सिब मरुए नलौ छै ।
डुआती सिब मरुए नलौ छै ।



जरीरैठ राबहि..... ।

मटा ते छाती मिव जखन

मिव-मिव, मिव-मिव करए नलै छै ।

परिते पुग्ज प्रकाशि जखनि

पुग्ज कमल सजुरैए नलै छै ।

पुग्ज कमल सजुरैए नलै छै ।

जरीरैठ राबहि..... ।

पारि पुग्ज पुग्ज राष्टिका

जन-जनक फुनराडी कहे छै ।

नित्या-नन्द संग-संग सीता

जाणकी जनक कहरैए नलै छै ।

जाणकी जनक कहरैए नलै छै ।

जाणकी जनक..... ।

रिषु रि जलगानी जिलगी ओहल

ताब रिषु सितार कहे छै ।

एकतावा कखला सितार रनि

पौकय रूँछ नहवए नलै छै ।

पौकय रूँछ नहवए नलै छै ।

जरीरैठ राबहि..... ।



बाति-दिन.....

मगल पाँति पतिखासी गाछा - गाछा

बाति-दिन रिचडत बहे छी ।

भद्र-भद्रता तँ यएह ल भेल

मरि झूठ कहबैत बहे छी ।

मरि झूठ कहबैत बहे छी ।

बाति-दिन..... ।

कवणी-धरणी रँझणी रानि रनि

घरणी-रँझणी कहत बहे छी

कोयन रौन झूठ कह कहैत

झूठ रौन अमरीत घोड़ छी ।

झूठ रौन अमरीत घोड़ छी ।

बाति-दिन..... ।

रनि मानी थन-येन येन

मृत सिगाव सजबैत बहे छी ।

झूठ देखि झगरी राँष्ट-राँष्ट

राँष्टी सिव सजबैत बहे छी ।

राँष्टी सिव सजबैत बहे छी ।



बाति-दिन..... ।

फुगम-फागम रौंष्ट-रौंष्ट

अनियष्ट-अनियष्ट कहत बहे जी

बुख मस बुक-बुका बुका

सजमस सिब सजरोत बहे जी ।

सजमस सिब सजरोत बहे जी ।

बाति-दिन..... ।



तेहरोणी.....

तेहरोणी जेत-अजेत पाँरि

उँठा हाथ डह चाम कहै छै ।

परिंते हव हवहवा हवहवा

कग सिंगार पवकीत कहै छै ।

कग सिंगार पवकीत कहै छै ।

तेहरोणी..... ।

असिया आस आस असिया

सजि मेज श्रुंग शैव कहै छै ।

परिंते सौकर अंगति प्रेम

तज्ज भक्त तज्जि-तज्जि कहै छै ।

तज्ज भक्त तज्जि-तज्जि कहै छै ।

तेहरोणी..... ।

कग रूकग सकग गढा - गढा

माने-मान उँसरोत कहै छै ।

अहिना आगु असिया-असिया

टोसठि सिंगार सजेत बहै छै ।

टोसठि सिंगार सजेत बहै छै ।



तेहरोणी..... ।

प्रेम पवकीत मोभार गुण

रैलेम-रैलेम रैवसत बहे छै ।

तोय-आसु घोड़ा -घोड़ा घोड़

अमृत कम रियगान करे छै ।

अमृत कम रियगान करे छै ।

तेहरोणी..... ।



गेन उंमबिया.....

गेन उंमबिया रित हूँमिण मायामे
दगन-दाग नगले कंचन कायामे ।
देख-देख दुनियाँ मन भड्डले
बंग-कप बस गौरामे
भुक भोक भोकिया-भोकिया
छोकछि गेन हन खेरामे ।
गेन उंमबिया..... ।

अमिया आस आसि मारै छै
हन्ज निकूँ ज रौन भठकेमे
कद-कद कदम गाछ हिले छै
प्रय-प्रय प्रयाकेँ पेरामे ।
प्रय-प्रय प्रयाकेँ पेरामे ।
दगन दाग..... ।

बाधा पासि पकछि -पकछि
सूनषा प्रया सूनरौ छै ।
रात-राँ सँग मीनि मिन
एकरैँ रनि रँन सूनौ छै ।



एकरैरै रैनि रैग सूलै डै ।

कद-कद कदम गाढ हिलै डै ।

प्रय-प्रय..... ।



कब-कबनाम.....

डिरिया डुं पब मोमरी गजोत

कब-कबनाम करैत एलै ।

रँमि हुन खेन खेलि

मोमरी मम भरोत एलै ।

मोमरी मम भरोत एलै ।

कब-कबनाम..... ।

जेहेन तेन तेहेन गजोत

बमि बम बाशि बसैत एलै ।

कठ-कठौली हँमि-हँमि कठि

डिरिया बामि जरोत एलै ।

डिरिया बामि जरोत एलै ।

कब-कबनाम..... ।

रँमि गजोत रँम-रँम कबए

गन्ह हरा गन्हकैत एलै ।

मिक्त-मिक्त शिखा पकडि

परिछए अगन धड़ैत एलै ।

परिछए अगन धड़ैत एलै ।



कव-कवशाया..... ।

पात रीच हुन हुनि हुना

कविया नुसैड खेलेत एले ।

रिष पाते मगव पसाद

वंग-बलम करैत एले ।

वंग बलम करैत एले ।

कव-कवशाया..... ।



मसख कलँ.....

मसख कलँ हम रँनि पेलिअं

मीत यो, मसख कलँ हम रँनि पेलिअं ।

ले भेन नुछा -रूमि जीरै केव

ले रँदलन टागन-प्रस्रति

अगल जेना जे अरैत गेन

तगलिअं तलिना तानि गीत ।

तगलिअं तलिना तानि गीत ।

तान-मात्र रूमि ले पेलिअं

मसख कलँ हम रँनि पेलिअं ।

टाननि टान टानि ले तारै

गुव-टोल कात केना बखरै ।

अँकव-पाखव जा ले रँवते

सुआद-रुआद केना रूमरै ।

अखला धरि से कलँ रूमलिअं

मसख कलँ हम रँनि पेलिअं ।

उँतव-गुरै सोपाण सजन छै

अकाम-गतान पकड़ा रँसन छै ।



सत तन जेना उतव रसन छै

अतन-पतन सेहो रसन छै ।

आगयो कहाँ से रूमि पेजिअ

मसुख कहाँ हम रनि पेजिअ ।

ठहि केतो ठगम केतो

ठगम-ठगम होगते एजिअ

मस मसुआ मसुआँ मसुवा

अमृत-मृत पीरैत एजिअ ।

अमृत-मृत पीरैत एजिअ ।

मसुख कहाँ हम रनि पेजिअ ।

जहिया दुनियाँ-जहाण जगलै

मसुख तहिया रनि जेरै ।

सोथि-सोथि सुख-टागल पेजिअ

आनन-कानन भड्येत पेजिअ ।

आनन-कानन भड्येत पेजिअ ।

ज्जीता ज्जी जिनगानी पेजिअ

ज्जीता ज्जी जिनगानी पेजिअ ।



बाबुदेव शर्माद मूछव 'साकदाव खीक गीत एरि साक

साक

सुति उंठि नागुं तोले रौरुं

माए-रौरुंकेँ गोड़ यौ ।

एकड़ । सग जगमे लेँ कियो

मेरागव दिउं जेव यौ ।

गीत-

माए गग रौन तोहव जौ,

रांगरिन रेद कवाण गग ।

शान्तिकेँ रवदान गग ना-2

तूँ तूँ जगमे खण्णम,

केकव उगमा देरौं हमा ।

सौंसे दूनिगामे लेँ,

कियो तोवा समाण गग । शान्ति... ।

आगुं तूँ पाछुं भगराण,

जगमे तुनी एक महान ।

तोले नाउंसँ पुञ्जित

मदिवक भगराण गग । शान्ति... ।

तूँ तूँ ममाता केव अकाम ।



गहिन ग्वक केव प्रकाशि ।
तुही जगमे देखेनही,
जीरै केव समाज गग । शान्ति... ।
तूँ तँ अग्या, अग्यु, गहेशे,
कार्तिक गंगति ठुव गशेशे ।
माए गग चक्री तोहव ज्यो,
गंगामे समाज गग । शान्ति... ।

ई बचनोपव अगुण मतिर ggaj_endra@videha.com पव पाठ ।



१. बाजुदेव मण्डन- दुँ ठी करिता २.



बाजुरी बंजन शिशि

१



बाजुदेव मण्डन

दुँ ठी करिता-

१

पसरीत शिवाखा

जर्जव रूठ अगुणिकारक गाढ

हरा गटा बहन छै नाट

नष्टकन अगुण डारि-पात

टाकतव अा काते-कात

महल ह्यत कतेक अथात



केतेक छुठन केतेक साथ

कबैत एक दोसबसँ रौत

परोमसँ भेन स्यात ।

हमर चलेत अन्तिम साँस

स्रज्जन-परिजन आस-गाम

एकेठामँ रौत केतेक बाम

सँगे चलेत सिवजन क्लेशि

मुठ-साँट मय्य बटेत षाट

हम रौन डी अलच्छक गाढ ।

२

थसैत बून्द

थसैत बूँ-बूँ

गाँवै थन-थन

टिडँ चूँ-चूँ

मिथुव मूँ-मूँ

रौवसैत मगन धन

देथैत मन नयन

बाँटेत सुमन मन

हृषित तीजेत तन

सुखन कण-कण

अमृतसँ मिनन ।



चलैत बरुत आथेठ

ले छुँठैत जिनगीक गेठ

आरि गेन जेठ

दूख गेन मेठ

सभ किछु समेठ

आरि हएत छैठ ।

२



बाजरीर बंजन त्रि

गजव

माँ सदति अनसोव वलैत छथि
मिठगव अमृत सभ खोव बँजेत छथि

सदिखन सख सभ रात कछेठ ल
गाँ बँभव अरुवाद बँठैत छथि

मोषक अण सभ रात दलौरवधि
सञ्जल ले सुख टैल बढैत छथि

दयसर हृणक नित बँठै सुमेत ठा
बिहूसधि मयख जे लह करैत छथि

माँ सुभव उँगलाव सलशे थिक
खलल बरुधि बाजरीर बढैत छथि

२२२ २२२ १२२

२

जाणकी गीत

माँ जाणकीक जनमदिल घब घब मे हमा मसारी
सभ गिलि थुँशी मसारी अ-सुत दीप हमा जवारी
माँ जाणकीक जनमदिल.....



मिथिला जिनक डन लेहव,मैथिल अगन डनयि सौ
हम मैथिलक धरम बूमि,कवतर अगन प्रवारी
माँ जाणकीक जन्मदिन.....

मिथिलेशेर्षदली छथि सदति ममाताक कप सुन्नव
चनलीह जे रौष्ट सतुक हम गीत हुनक मित गारी
माँ जाणकीक जन्मदिन.....

मियाक कपे गुणगव,भार्याक कपे ब्रुविगव
दुहि फनक नाज बखलीह गहि माण हम रौठारी
माँ जाणकीक जन्मदिन.....

हे माए हम जी बूरिबैक,महिमा ले जाणि सकनहुँ
बनी ले आरि निबमन नरि कप धए देखारी
माँ जाणकीक जन्मदिन.....

"बाजरी" येह रिणरौथ,जग जन्मि जाणकीसँ
मैथिलक त्रान जागय,गतिहास पुनि बचारी
माँ जाणकीक जन्मदिन.....

ए बचनअव अगन मतर ggaj_endr_a@videha.com पब पठाउ ।



१. रिन्दुबेव ठाकुर- प्ररसक लेला/ सुनि मिथ दु रौठ हमव/ अह्यव जिनगी &
अहुँन बजाक- शातत्रिक देने





बिन्दुशेखर ठाकुर, गिह्ला १ ब्योगियाबा, धनुषा जिला, हान :कताब ।

शरसक लेदना/ सुनि मित्र दु रात हमरा अन्तर जिनगी

१

शरसक लेदना

हमर जिनगीक कोला हिसार ले बहन
पढ़ौक लेन कोला कितार ले बहन
लेसन छी एथला असगले एकात्रुमे
किन्तु पीरौक लेन कोला शिवार ले बहन । ।

सपनामे ओहे देखवा अरौं
अरौं अछि रहए ठाम आ गाम
कतरौ रिसवः टाली दिवस
ले रिसवि पारी जलकपूर धाम । ।

छी मैथिल हम मिथिलाक रानी
दुब छी तैयो अगल प्रदेशसँ
रिश्तेताक मान, पवताड़न
पत्र निथे छी अलग देससँ । ।

माए बाँकेके चका रदना
दोस्तके हमर समाग बहन
अनजान-सुनजानपर ध्यान ले देरौ

माय कवर सभ कहन स्यान । ।

मन नगारी कतरौ एतः
जिउ ठाँवन अछि दुवापव
दिन कठै छी बाति ये भारी
सदशेष जान अत्रुवापव । ।
प्रेमक महम शोष रसन अछि
जीरौक माधम दु रात अछि
थाकन ठेहाएन आरी जेँ कथला
नाली ले केउ साथ अछि । ।



कते कछु प्ररामक रेंदना
निथेत सेहो शेरमा मलौए
लाव आँखिँ ठँपठँप चुरैए
कनमा पकड़ैत हाथ कसैए । ।

रैम एएह रिणती नीकसँ बहरै
नीकसँ बाथरै गाँउ समाज
एक दिन हमरूँ जोष्ट क२ आँधरै
जगमग कबते मिथिना बाज । ।

२

बुनि बिथ दु रात हमर

भना कवरै तँ भना मिनत
रूँवा कवरै तँ रूँवा मिनत
अँ छै जगत जगणीक धवती
कर्मिक फल अरथ मिनत । ।

हे माणर नीक कर्म कब
कले छी किएक थिसिआएन सन
छोबीक धन ले बहत सत दिन
कले छी किएक धरिसिआएन सन । ।

एँठाम सत किड नशिरान छै
जाए पड़त अँ जग जोडि क२
रिणु भङ्गिक सुथ ले जेष्ठत
बहरै कते झूठ मोडि क२ । ।

सुले छी जानकी मन्दिबसे
गिण्डी रागु गिवरै छी
अणन सुअर्थ पूरा हेतु
जगतकेँ घिसियरै छी । ।

एथला ज्ञानक ताना खोलु
आरि जाँउ नीक पथपव
दुर्दमासँ रेटोथिन मैया
आसन रूपत सुआ बथपव । ।

हम सत मैथिल एक बही
एकजुष्ट भ२ साथ चली
पहिटाण रैणारी अणन मिथिनाक
गतिहासक पणपव चमकैत बही । ।

३



अहब जिनगी

टिड् टुलङ्गन टिवरिब कएनके
टाक दिस तौर भेलै
प्रकशिक किवण पृथरीपव उतवले
घब-अर्षण गजोव भेलै

झदा हुका चेहवापव कावी पर्दा मगले

कोलो रंदा जकाँ

कोलो टोव जकाँ

अथरौ,कोलो मिवीह रंदा जकाँ
जकव मरु किड ले ।

मडकपव अणन कमर हिनरौत
हिनपिनी परीकेँ देखि
ओकव मण धुजा-धुजा भ२ गेलै
तण सिंह गेलै आ
मपणा टकणाटुव भ२ गेलै
झदा रिरशिता छै
रौधता छै
अणन सुन्दर आ नटकदव शिवीवकेँ
देखरौक सुतत्रता ले छै हुका
सुन्दरताक रंयाण सुनर
अधिकारसँ रंचित छै ओ
जेना कोलो जेनमे बहन प्राणी होग
वा,कोलो पिजड ममे रौहन सुगा ।

रौहवक बशीचशी रातारवामे
अणनकेँ तिवसूत भेन मरुस करैत
जखण अरौ छथि ओ अणन घबमे आ
देखे छथि ई.जी पव मणीनियोणकेँ छै मिन

हिसरौ टोपड लेँ अर्षण रंन्वमे

ठीक ओहल मितारे छथि अणन शिवीवकेँ

कतेक मिनन

कतेक सुन्दर शिवीव ! झदा लेँ कियो तारीफ कव२ रंदा
एँ फुनकेँ
लेँ कियो सुगङ्ग जेर२ रंदा
एँ रासणकेँ



मम थिन्न भ२ जाग ठै
खाड़ ीकेँ बाणी मभकेँ
मम रेपिबीत भ२ जाग ठै
एहन समाज आ सँकावसँ
जकब सीगा
रँस पर्दक तीतव
एकठा केद जिमगी जकाँ
केरन अँहाव... अँहाव....

२



अँहुन बजाक, हबिष्व ४, धम्या (लगाण), हान : कताव

गगतत्रिक दमे

बाणा शोमणक बाँद बाजा शोमण भेले
निर्दमसँ हएव रँहुदन भेले
जुरँ-जुरँ लोकक रँछि हेलौत गेले
रँहुदनसँ दमे गगतत्र भेले । ।

गगतत्रक गत्र जुरँ खतम ले भेले
लताक स्रार्थमे तरँ रेमेन भेले
जमता जगदलक हानत देखियौ
गवीरी, बोजगारी सरँकेँ सद्धमे भेले । ।

रिक्ताणक रँदद्वावा गतिमाण भ२
जुरँ जुरँ कपड़ । रँगएरौक रिस्ताव भेले
कपड़ । रँडका की पहिबथिण कया लोकनि
छ्छी सजा अँवाधुनिक भ२ गेले । ।

शिष्का सँगे सञ्चताक रिंकास भ२
लोग कहे छथि समाज होमियाव भेले
द्ददा मर्द रिंसा के परिवार ठै केहन
अँगसँ समाजक एक उँगनाव भेले । ।

टोक टोवाहाक हाणि भेले
तम जूखीक अँखाड़ । भेले
भना कद्रु तँ रँविरँक जी
रँविरँक काज कश्मिहाव भना अँदमी भेले । ।



परिवार डुरैत तँ की डुरैत ?
समाज डुरैत तँ किछु भेलै
देशक चिन्ता कएनिहावकेँ चिन्ता केलन
परदेशे आरि देशक चिन्ता भेलै । ।

ई बचसोपर अपन मतब ggajendra@videha.com पर पोछ ।

बिदेह नूतन अंक गद्य-पद्य भावती

१. मोहनदास (दीर्घकथा) लेखक: उदय शर्मा (मूल हिन्दीसँ मैथिलीमे अनुवाद रिनीत उषेन)

मोहनदास (मैथिली-देरनागरी)

मोहनदास (मैथिली-मिथिलाक्षर)

मोहनदास (मैथिली-ब्रेल)

२. छिन्नमस्ता- शता खेतक हिन्दी उपासक नृशैवा मा द्वारा मैथिली अनुवाद

छिन्नमस्ता

३. कनकमणि दीक्षित (मूल लघुगीतसँ मैथिली अनुवाद श्रीमती कर्मा शीक आ श्री श्रीकेन्द्र शेरमा)

तगत लेखक देशे-भूमा

४. तुकाराम बामा शैलक लोकगीत उपासक मैथिली अनुवाद डॉ. शैलु कर्माव सिंह द्वारा
पाथलो

बिनामा प्रते



१. कन्दन कर्माव कर्मा - रीत गजन २. अमित मिश्र - लुगवा दरबान

१



हृदय हमाव कर्ण

रौन गजन

हून हूनले हूनरौबीमे, रौनन जतवा
तानी डुंगव खेलेडे कते भमवा

भाटे महर डुरीक अगले मसक धूममे
माली रौड मिक टून टून जे करे रौगवा

सर गौडीगव जे रौणव हूदे डुवपे
रौव गौडीगवम सूरौ सुगा हकवा

लौडीनी हूदे गौडीगव भिनमवमे
लौनी मधुव रौहूत मिक माली हमवा

खेनर हूदर अलीना हूनक मँग मदिथन
हम रौष्टर मितदिम पौकी क खूँ अहवा

महडुमात्-महाडीनम्-महाडीनतम्
२२२१-१२२२-१२११२

२



अमित मिश्र

लुगवा दरौण

बाजा जीक गौडीमे, दरौण रौमि एले देव
भवि वाति खेनक आम चलि गेन भोले-भोव
कहियो नीटी कहियो आम कहियो जाहूँ, कठहव
रौदलि-रौदलि क२ सर दिम थाए अगव आ रौवहव
मालीके जे पता चनन तँ ओ रौहूते तमसाएन
आग वातिमे सर मिखेरे, हूदा देवरे ले आएन
दोसव दिम जे देवरी एले, माली हफ कौटे डन
एकठा पवना गौडीगव देवरी टुपटाप टुट डन
एकठा ठाढ़ी लौकनन डले पडले जखल ठौंग
ठाढ़ी सहित धवतीगव खमन ठुठन हाथ आ ठौंग
ओ रौमे डन किओ ले देथे हूदा देथे डुधि भगरान
देनमि मजाम एह जे रौमि गेन ओ लुगवा दरौण



ए बचोपब अणव मंत्र ggajendra@videha.com पब पठाउ ।

बैठा लोकनि द्वारा स्वर्गीय श्लोक

१. प्रार्थना: कान अक्षरद्वय (सूर्योदयक एक यंष्टी पहिल) सर्वप्रथम अणव दूनु हाथ देखरौक चली, आ अ श्लोक रोजरौक चली ।

कवाथे रसते नक्षत्राः कवमया सबसती ।

कवमुने हितो अक्षा प्रभाते कवदर्शनम् ॥

कवक आगाँ नक्षत्रा रसते छथि, कवक मयामे सबसती, कवक मुनमे अक्षा हित छथि । तबामे तहि द्वारा कवक दर्शन कवरौक थीक ।

२. मध्या कान दीप लेशरौक कान-

दीपमुने हितो अक्षा दीपमया जगदर्शनः ।

दीपाथे शिखरः प्राकृतः संध्याज्यातिर्नमोऽस्तुते ॥

दीपक मुन भागमे अक्षा, दीपक मयाभागमे जगदर्शन (शिखर) आऽ दीपक अग्र भागमे शिखर हित छथि । हे मध्याज्याति ! अहाँकेँ नमस्कार ।

३. सुतरौक कान-

वागं कर्णं हनुमस्तु रेशतेयं बृकोदवम् ।

शियल यः सारेश्वरं दुःस्वप्नस्तुश्च नष्टति ॥

जे सब दिन सुतरौस पहिल बाग, कर्णवस्त्रा, हनुमान्, गकड आऽ तीमक साका करैत छथि, हुनकव दुःस्वप्न नष्ट भऽ जागत छति ।

४. नहरौक समय-

गर्जं च यद्गले टेर गौदारवि सबसती ।

नर्मदे सिङ्गु कारेवि जनेऽसिन् सन्निधिं करु ॥

हे गर्गा, यद्गला, गौदारवी, सबसती, नर्मदा, सिङ्गु आऽ कारेवी धार । एहि जनमे अणव साक्षिध्या दिख ।



३. उतवै समेन्द्रस्य हिमाद्रश्चर दक्षिणम् ।

रथं तत् भावतं नाम भावती यत्र सञ्चतिः ॥

समन्द्रक उतवमे आ२ हिमाद्रक दक्षिणमे भावत अञ्चि आ२ उतका सञ्चति भावती कहलैत छथि ।

३. अहल्या द्रौपदी सीता तावा मन्दादरी तथा ।

पशुकं वा सवेह्लिवं महापातकशकम् ॥

जे सत दिन अहल्या, द्रौपदी, सीता, तावा आ२ मन्दादरी, एहि पाँट मझी-मत्रीक सक्वा करैत छथि, हुनकर सत पाप नष्ट भ२ जागत छहि ।

१. अश्वेथोमा रैनिर्यासो हनुमाश्च रितीयाः ।

स्रुपः पवश्रुवामश्च सन्तते चिवश्रुीरिणः ॥

अश्वेथोमा, रैनि, र्यास, हनुमान्, रितीया, स्रुपाचार्य आ२ पवश्रुवाम- ङा सात ठी चिवश्रुीरि कहलैत छथि ।

+साते भरतु स्रुतीता देरी शिखर राशिणी

उग्रेश तगसा न्द्रा यया पशुपतिः पतिः ।

सिद्धिः साश्व सतामञ्जु प्रसादाञ्जु धूर्जठैः

जह्नरीहेश्वरेश्वर यन्तुमि शिषिणः कना ॥

६. रौलो२हं जगदलन्द न मे रौला सबन्वती ।

अशुर्णे पचमे रथे र्णीयासि जगत्त्रयम् ॥

१०. दूर्ध्धित मन्त्रेश्वर यजूर्देद अध्याय २२, मंत्र २२)

आ अह्लिवश्च अजापतिवृद्धिः । निभोकता देरताः । श्रवाङ्कृतिवृद्धिः । यद्वजः श्रवः ॥

आ अह्लिव् अह्लोषो अह्लरत्नी ज्ञायतामा वाष्ट्रे वाङ्मयः श्रुते२गयरा२तिर्यापी महावयो ज्ञायता दोग्ध्री
पेश्वरौठलडराणां सृष्टिः पवश्रुथोरा जिष्टु वथेष्टाः सतेयो हराञ्च यज्जमानञ्च रौलो ज्ञायता निकामे-
निकामे नः पृज्ज्या रथतु फनरवा न२उषयः पचम्रा योशोक्मो नः कपताम् ॥ २२ ॥

मन्त्रार्थः सिद्धयः सञ्च पूर्णाः सञ्च मन्त्रावथाः । शिबुणां वृद्धिनामो२ञ्चु मित्राणां दयञ्चु ।

ॐ दीर्घाश्रितर । ॐ सौभाग्यरती भर ।

हे भगवान् । अणन देमिमे स्वयोग्या आ सररुत रिद्यार्थी उपेन्न होथि, आ शुकुके नामि कश्चित्वा सैनिक
उपेन्न होथि । अणन देमिक गाय खुरं दुध दय रौली, रवद भाव रहल कवएमे सक्कम होथि आ योड्ड ।



ह्रवित कर्षे दोगय रैना होए । स्त्रीगण नगबक लेह्र कवरौमे सक्कम होथि आ ह्रक सभामे ओजपूर्ण
भाषण देरैयरैना आ लेह्र देरौमे सक्कम होथि । अपन देशमे जखन आरथक होय रया होए आ
ओयधिक-रूठी सरिदा परिगक होगत बहए । एरु फ्रमे सभ तबहै हमरा सभक कन्या होए । शत्रुक
रूहिक नाश होए आ मित्रक उदय होए ॥

मन्थारके कोण रञुक गछा कवरौक चाली तकव र्षिण एहि मंत्रमे कएन गेल अछि ।

एहिमे राचकवृष्टापमानङ्काव अछि ।

अथवा-

जैलम् - रिद्या आदि फामँ परिपूर्ण जैल

बाह्ये - देशमे

जैलरसी-जैल रिद्याक तेजसँ हकत

आ ज्ञायता- उपेक्ष होए

बाह्यः - बाह्य

शुभे- रिषा डव रैना

गयरा- रौष चेरौमे निष्ठा

अतिर्यापी-शत्रुके ताका दय रैना

महारथो-पैय बथ रैना रीव

दोष्ठी-कामना(दुव पूर्ण कवए रानी)

प्रेषरौठमड्रानाशुः प्रेष-लौ रा रापी रौठमड्र- पैय रैवद नाशुः -आशुः-ह्रवित

मष्टिः-घोड ।

प्रवक्षिर्योरा- प्रवक्षि- रारलवके थाका कवए रानी र्योरा-स्त्री

जिष्णु-शत्रुके जीतए रैना

वप्रेथ्याः-बथ पव शिव

सन्धेयो-उत्तम सभामे

हराशु-हरा जेहन



यजमानश्च-बाज्राक बाज्रामे

रीनो-मिदूकेँ पवाजित कबरना

निका-मिका-मिश्चयहकउ कार्यमे

नः-हमर सतक

पुर्जना-मेघ

रर्यतु-रर्या होए

हनरना-उत्तम हन रना

उषयः-उषयिः

पाउनु- पाकए

योषोम्-अनश्च नश्च करेराक हेतु कएन गेन योषक बक्ता

नः'-हमरा सतक हेतु

कम्पताम्-समर्थ होए

त्रिभुखक अन्नराद- हे अन्न, हमर बाज्रामे अन्न नोक धार्मिक रिन्या रना, बाज्र-रीव,तीवदाज, दुध दए रानी गाय, दोगय रना जनु, उद्यमी नारी होयि । पार्जन आरश्चकता पडना पव रर्या देयि, हन देय रना गाउ पाकए, हम सत संपति अर्जित/संवर्धित कवी ।

बिदेह नृत्य अंक भाषापाक बचनलेखन-

अभिनयो-मैथिली- / मैथिलीकोष-अभिनो- प्रोजेक्टकेँ आगु रदु, अणन सुमार आ योषदान अ-
मेन द्वावा ggajendra@videha.com पव पठाउ ।

**१.भावत आ सपावक मैथिली भाषा-रैनामिक लोकनि द्वावा रनाउव मणक नीवी आ २.मैथिलीमे भाषा
सम्पादन पाठक्रम**

१.सपाव आ भावतक मैथिली भाषा-रैनामिक लोकनि द्वावा रनाउव मणक नीवी

१.१. सपावक मैथिली भाषा रैनामिक लोकनि द्वावा रनाउव मणक उठाव आ लेखन नीवी

(भाषामित्री डा. बागारताव गान्दरक धाकाकेँ पूर्ण कपसँ सञ्च नर निर्धारित)



मैथिलीमे उँचावा तथा खण

१. पञ्चमाक्षर आ अणुस्त्राव: पञ्चमाक्षरानुसृत ७, ए३, ण, न एरि म अरैत अछि । संयुत भायाक अणुस्त्राव शिद्दक अणुस्त्रमे जाहि रक्षक अक्षर बहैत अछि ओही रक्षक पञ्चमाक्षर अरैत अछि । जेना-

अरुँ (क रक्षक बहरीक कावणे अणुस्त्रमे ७ आएन अछि ।)

पख (च रक्षक बहरीक कावणे अणुस्त्रमे ए३ आएन अछि ।)

खल (छ रक्षक बहरीक कावणे अणुस्त्रमे ण आएन अछि ।)

सखि (त रक्षक बहरीक कावणे अणुस्त्रमे न आएन अछि ।)

खस्र (प रक्षक बहरीक कावणे अणुस्त्रमे म आएन अछि ।)

उँपह्राँउ रीत मैथिलीमे कम देखन जागत अछि । पञ्चमाक्षरक रीदनामे अरिकाशि जगहपव अणुस्त्रावक प्रयोग देखन जागत अछि । जेना- अरुँ, पख, खल, सखि, खल आदि । र्याकवणरिद पण्डित गोरिन्द नाक कहरी छुनि जे करखा, चरखा आ छरखसँ पुरि अणुस्त्राव लिखन जाए तथा तरखा आ परखसँ पुरि पञ्चमाक्षरले लिखन जाए । जेना- अरुँ, छरन, अरुँडा, अणु तथा कणष । ऋदा हिन्दीक शिकर बहन आधुनिक लेखक एहि रीतकेँ नहि मालैत छुनि । ओ लोकनि अणु आ कणषक जगहपव सेहो अत आ कणष लिखैत देखन जागत छुनि ।

नरीन पछति किछु सुरिधाजनक अरुँ छैक । किएक तँ एहिमे समान आ स्थानक रीतत होगत छैक । ऋदा कतोक रैव हनुलेखन रा ऋदामे अणुस्त्रावक छोट सन रीन्दु स्पष्ट नहि भेनासँ अर्थक अर्थ होगत सेहो देखन जागत अछि । अणुस्त्रावक प्रयोगमे उँचावा-दोषक सम्भारणा सेहो ततरै देखन जागत अछि । एतदर्थ कसँ न२ क२ परखा धरि पञ्चमाक्षरक प्रयोग कवरि उँचित अछि । यसँ न२ क२ त्र धरि अक्षरक सख अणुस्त्रावक प्रयोग कवरिमे कतहु कोना रिराद नहि देखन जागत ।

२. ठ आ ट : ठक उँचावा " व ह" जकाँ होगत अछि । अतः जत२ " व ह" क उँचावा हो ओत२ मात्र ठ लिखन जाए । आष ठाम खानी ठ लिखन जएरीक छली । जेना-

ठ = ठाकी, ठेकी, ठरिँ, ठेउँआ, ठसँ, ठेवी, ठाकनि, ठारिँ आदि ।

ठ = पढाँग, रँठरिँ, गठरिँ, मठरिँ, रँठरी, सँठ, गाठ, वीठ, चाँठ, सीठ, पीठ आदि ।

उँपह्राँउ शिद्द, सभकेँ देखनासँ ज स्पष्ट होगत अछि जे साधारणतया शिद्दक शुकमे ठ आ मवा तथा अणुस्त्रमे ठ अरैत अछि । गएह नियम ड आ डक सन्दर्भ सेहो नागु होगत अछि ।

३. र आ रँ : मैथिलीमे " र" क उँचावा रँ कएन जागत अछि, ऋदा ओकरा रँ कएमे नहि लिखन जएरीक छली । जेना- उँचावा : रँगुणाथ, रँगुा, नरँ, देरँता, रँस्रु, रँशि, रँदना आदि । एहि सभक स्थानपव एमशि: रँगुणाथ, रँगुा, नर, देरता, रँस्रु, रँशि, रँदना लिखरीक छली । सामान्यतया र उँचावाक लेन ओ प्रयोग कएन जागत अछि । जेना- ओकीन, ओजह आदि ।



४. य आ ज : कतहू-कतहू "य" क उँचावणी "ज" जकाँ करैत देखन जागत अछि, झुदा ओकवा ज नहि निखरौक चाली । उँचावणीमे यरु, जदि, जझना, जुग, जारत, जोगी, जदु, जम आदि कहन जाएरौना शिद्द, सभकेँ क्रमिः यरु, यदि, यझना, यग, यारत, योगी, यदु, यम निखरौक चाली ।

३. ए आ य : मैथिलीक रतनीमे ए आ य दुनु निखन जागत अछि ।

प्राचीन रतनी- कएन, जाए, होएत, माए, भाए, गाए आदि ।

नरीन रतनी- कयन, जाय, होयत, माय, भाय, गाय आदि ।

सामान्यतया शिद्दक शुकमे ए मात्र अरैत अछि । जेना एहि, एणा, एकव, एहन आदि । एहि शिद्द, सभक स्थानपव नहि, यना, यकव, यहन आदिक प्रयोग नहि कवरौक चाली । यद्यपि मैथिलीभायी थाक सहित किछु जातिमे शिद्दक आवस्थामे "ए"केँ य कहि उँचावणी कएन जागत अछि ।

ए आ "य" क प्रयोगक सम्दर्भमे प्राचीन पञ्चतिक अनुसन्धान करब उँपग्रह माणि एहि पुस्तकमे ओकरे प्रयोग कएन गेल अछि । किएक तँ दुनुक लेखनमे कोना सहजता आ दुकहताक रीत नहि अछि । आ मैथिलीक सरिसाधारणक उँचावणी-शैली यक अपेक्षा एसँ रैसी निकट छैक । थाम क२ कएन, हएर आदि कतिपय शिद्दकेँ केन, हेर आदि कपमे कतहू-कतहू निखन जाएरौ सेहो "ए"क प्रयोगकेँ रैसी समीचीन प्रमाणीत करैत अछि ।

३. हि, हू तथा एकाव, ओकाव : मैथिलीक प्राचीन लेखन-पञ्चवामे कोना रीतपव रैन दैत कान शिद्दक पाछाँ हि, हू नगाउन जागत छैक । जेना- हुनकहि, अणहू, ओकवहू, तकौनहि, टोष्टहि, आणहू आदि । झुदा आधुनिक लेखनमे हिक स्थानपव एकाव एरँ हूक स्थानपव ओकावक प्रयोग करैत देखन जागत अछि । जेना- हुनके, अणला, तकौले, टोष्ट, आला आदि ।

१. य तथा थ : मैथिली भाषामे अधिकशितः यक उँचावणी थ होगत अछि । जेना- यडल (थडल), योडनी (थोडनी), यईकोण (थईकोण), रूथेनि (रूथेनि), सन्नाय (सन्नाथ) आदि ।

+ ध्रुमि-लोग : निम्नलिखित अवस्थामे शिद्दसँ ध्रुमि-लोग भ२ जागत अछि:

(क) फिसाल्लयी प्रत्य अयमे य रा ए वृत्त भ२ जागत अछि । ओहिमे सँ पहिले अक उँचावणी दीर्घ भ२ जागत अछि । ओकव आगाँ लोग-सूटक छिने रा रिकारी (/ २) नगाउन जागछ । जेना-

पूर्ण कप : पठए (पठय) गेनाह, कए (कय) जेन, उँठए (उँठय) पडतौक ।

अपूर्ण कप : पठ गेनाह, क जेन, उँठ पडतौक ।

पठ२ गेनाह, क२ जेन, उँठ२ पडतौक ।

(ख) पुरिकानिक प्रत्य आय (आए) प्रत्यमे य (ए) वृत्त भ२ जागछ, झुदा लोग-सूटक रिकारी नहि नगाउन जागछ । जेना-

पूर्ण कप : थाए (य) गेन, पठाय (ए) देरँ, नहाए (य) अनाह ।



अपूर्ण कप : खा गेन, पठा देरै, नहा अएनाह ।

(ग) स्त्री प्रत्येक उँचावण फियापद, सँका, ओ विशेषा तीनुमे वृष्टु भ२ जागत अछि । जेना-

पूर्ण कप : दोसबि मारिनि छलि गेलि ।

अपूर्ण कप : दोसब मारिनि छलि गेल ।

(घ) रतमान प्रदशुक अश्रिम त वृष्टु भ२ जागत अछि । जेना-

पूर्ण कप : पठैत अछि, रँजैत अछि, गरैत अछि ।

अपूर्ण कप : पठै अछि, रँजै अछि, गरै अछि ।

(ङ) फियापदक अरमाण अक, उँक, अँक तथा हीकमे वृष्टु भ२ जागत अछि । जेना-

पूर्ण कप: छियोक, छियेक, छनीक, छोक, छैक, अरितेक, होगक ।

अपूर्ण कप : छियौ, छिये, छनी, छौ, छै, अरिते, होग ।

(च) फियापदीय प्रत्येक ह, हू तथा हकावक लोप भ२ जागत । जेना-

पूर्ण कप : छहि, कहवहि, कहवहूँ, गेनह, नहि ।

अपूर्ण कप : छनि, कहवनि, कहवौँ, गेनह, नग, नग्रि, ले ।

९. ध्रुमि श्रुणाश्रुका : कोला-कोला श्रुव-ध्रुमि अणवा जगहसँ हष्टि क२ दोसब ठाम छलि जागत अछि । खस क२ द्रव्य ग आ उँक सङ्ग्रहमे ग रात नागु होगत अछि । मैथिलीकवा भ२ गेन शैक मर्या रा अश्रुमे जँ द्रव्य ग रा उँ आरँध तँ ओकव ध्रुमि श्रुणाश्रुत भ२ एक अक्षर आगाँ आरि जागत अछि । जेना- शिनि (शिङ्ग), पानि (पाङ्ग), दालि (दाङ्ग), माष्टि (माङ्ग), काड्ड (काड्ड), मासु (माडुस) आदि । दूदा तसेम शैक, सभमे ग निश्रम नागु नहि होगत अछि । जेना- बमिकेँ बगम आ सुवागिकेँ सुवाडुस नहि कहन जा सकैत अछि ।

१०. हनस्रु ()क प्रयोग : मैथिली भाषामे सामान्यतया हनस्रु ()क आरंभकता नहि होगत अछि । कवण जे शैक अश्रुमे अ उँचावण नहि होगत अछि । दूदा संस्कृत भाषासँ जहिनक तहिना मैथिलीमे आएन (तसेम) शैक, सभमे हनस्रु प्रयोग कएन जागत अछि । एहि शैकमे सामान्यतया असंपूर्ण शैककेँ मैथिली भाषा सङ्ग्रहनि निश्रम अश्रुमाव हनस्रुरिणीष बाखन गेन अछि । दूदा र्याकवण सङ्ग्रहनि प्रयोजक जेन अवारंभक श्रुणपव कतहू-कतहू हनस्रु देन गेन अछि । प्रसूत शैकमे मैथिली लेखक प्राटिन आ नरीन दूनु शैकिक सवन आ समीटिन पक्ष सभकेँ समेष्टि क२ रर्षि-रिग्यास कएन गेन अछि । श्रुण आ सभमे रँचतक स्रुहि हनु-लेखन तथा तर्कणीकी दृष्टिसँ सेनो सवन होरँरना हिसारसँ रर्षि-रिग्यास गिनाओन गेन अछि । रतमान समयमे मैथिली माह्रभायी पर्यस्रुकेँ आष भाषाक माध्यासँ मैथिलीक त्रान जेरँ पडि बहन परिश्रेष्यमे लेखनमे सहजता तथा एककपतापव धाष देन गेन अछि । तखन मैथिली भाषाक मुन विशेषता सभ कृष्टि नहि होगक, तादू दिस लेखक-स्रुण सचेत अछि । प्रसिद्ध भाषाशास्त्री डा. बासांरताव यादरक कहँ छनि जे सवनताक अश्रुस्रुणमे एहन अरश्रु किमू ल आरँ देरँक चाली जे भाषाक विशेषता डहँमे पडि जाए ।

-(भाषाशास्त्री डा. बासांरताव यादरक धाकाकेँ पूर्ण कपसँ स्रु न२ निर्धारित)



1.2. मैथिली अकार्य, ष्टना द्वारा निर्धारित मैथिली लेख-गेव

1. जे शिद, मैथिली-साहित्यक प्राचीन कालसँ आग धरि जाहि र्त्तनीमे प्राचरित अछि, से सामान्यतः तहि र्त्तनीमे निखन जाय- उदाहरणार्थ-

ग्राह

एखन

ठाग

जकब, तकब

तनिकब

अछि

अग्रह

अखन, अखनि, एखन, अखनी

ठिमा, ठिना, ठिमा

जेकब, तेकब

तिनकब । (रैकपिक कर्षेँ ग्राह)

अँड, अहि, ए ।

२. निम्नलिखित तीण प्रकारक कर्षेँ रैकपिकतया अर्षणाओन जाय: भ२ गेन, भ३ गेन रा भॣ गेन । जा बहन अछि, जाय बहन अछि, जअ बहन अछि । कब गेनाह, रा कबय गेनाह रा कबए गेनाह ।

३. प्राचीन मैथिलीक 'ह' ध्वनिक स्थानमे 'न' निखन जाय सकैत अछि यथा कहनि रा कहनिह ।

४. 'अ' तथा 'अँ' ततय निखन जाय जत सप्रुतः 'अग' तथा 'अँ' सदृश उँचावण गप्रु हो । यथा- देखैत, डलैक, लौआ, डौक गवादि ।

५. मैथिलीक निम्नलिखित शिद, एहि कर्षेँ प्रयुक्त होयत: जैह, सैह, गअह, गअँह, लैह तथा दैह ।

६. ह्रस्व गकारात शिदमे 'ग' के वृष् कबरेँ सामान्यतः अग्रह थिक । यथा- ग्राह देखि आरैह, मानिनि गेनि (मन्त्रय मात्रमे) ।

७. स्वतंत्र द्रव्य 'ए' रा 'य' प्राचीन मैथिलीक उँछुका आदिमे तँ यथारत बाखन जाय, किंतु आधुनिक प्रयोगमे रैकपिक कर्षेँ 'ए' रा 'य' निखन जाय । यथा:- कयन रा कएन, अयनाह रा अएनाह, जाय रा जअ गवादि ।

८. उँचावणमे दु व्रवक रीट जे 'य' ध्वनि स्वतः आरि जागत अछि तकवा लेखमे स्थान रैकपिक कर्षेँ देन जाय । यथा- धीआ, अँटेआ, रिआह, रा धीया, अँटेया, रिआह ।

९. साम्प्रदायिक स्वतंत्र व्रवक स्थान यथासंभर 'एग' निखन जाय रा साम्प्रदायिक व्रव । यथा:- मैएग, कनिएग, किवतनिएग रा मैआँ, कनिआँ, किवतनिआँ ।

१०. कावकक रिभक्तिउक निम्नलिखित कर्षेँ ग्राह:- हाथकेँ, हाथसँ, हाथेँ, हाथक, हाथमे । 'ये' ये अन्वभाव



सर्था लज्जा थिक । 'क' क लेकपिक कग 'केव' बाखन जा सकैत अछि ।

११. पुरिकानिक फ्रियापदक रौद 'कय' रा 'कय' अरय लेकपिक कसै नगाउन जा सकैत अछि ।
यथा:- देथि कय रा देथि कय ।

१२. माँग, भाँग आदिक स्यामे माँ, भाँ गवादि लिखन जाय ।

१३. अर्ह 'न' ओ अर्ह 'य' क रौदना अखुमार बहि लिखन जाय, कितु भागाक सुखिबार्थ अर्ह 'ङ' ,
'ए' , तथा 'ण' क रौदना अखुमारो लिखन जा सकैत अछि । यथा:- अर्ह, रा अर्क, अखन रा अर्चन,
कण्ट रा कण्ट ।

१४. लनत छिन निखतः नगाउन जाय, कितु रिभञ्जिक सग अकावात प्रयोग कएन जाय । यथा:-
श्रीमान्, कितु श्रीमानक ।

१५. सत एकन कावक छिन शिद्धमे सठी क लिखन जाय, हठी क बहि, सहाउ रिभञ्जिक हेतु फवाक
लिखन जाय, यथा यव पवक ।

१६. अखुमारिके चन्द्ररिन्दू द्वावा राउ कयन जाय । पर्वत ऋद्राक सुखिबार्थ हि स्याण जठन मात्रापव
अखुमारिक प्रयोग चन्द्ररिन्दूक रौदना कयन जा सकैत अछि । यथा- हि केव रौदना हि ।

१७. पूर्ण रिवाय पासिँ (।) सुचित कयन जाय ।

१८. समास पद सठी क लिखन जाय, रा हागखेणसँ जोडि क , हठी क बहि ।

१९. लिख तथा दिख शिद्धमे रिकारी (२) बहि नगाउन जाय ।

२०. अर्क देरणागवी कगमे बाखन जाय ।

२१. कितु धुनिक लेव बरीन छि रौदना जाय । जा अ बहि रौदना अछि तबित एहि दुनु धुनिक रौदना
पुरिबत् अया/ आया/ अया/ आया/ आया/ अया/ अया लिखन जाय । आकि ए रा ओ सँ रौदना कएन जाय ।

ह.।- लारिन्दू मा ११/१३ श्रीकासु अर्कव ११/१३ सुखेन्द्र मा सुमन ११/०५/१३

२. मैथिलीमे भाषा ससादन पाठकेय

२.१. उँचाका निर्देने: (रौलेड कएन कग ब्राह्म):-

दनु न क उँचाकाये दाँतये जीह सठत- जेना रौजू नाग , ऋदा ण क उँचाकाये जीह मुर्षाये सठत
(ले सठैए तँ उँचाका दोय अछि)- जेना रौजू गणेशि । तानरा शिमे जीह तानसँ , शिमे मुर्षासँ आ दनु
समे दाँतसँ सठत । निर्गो, सत आ शोया रौजि क२ देखु । मैथिलीमे श के रौदिक संयुत जकाँ थ
सेहो उँचवित कएन जागत अछि, जेना रया, दोय । य अलको स्याणव ज जकाँ उँचवित होगत अछि
आ ण ड जकाँ (यथा संयोग आ गणेशि संयोग आ

गडसे उँचवित होगत अछि) । मैथिलीमे र क उँचाका ई ने क उँचाका स आ य क उँचाका ज
सेहो होगत अछि ।



ओहिना क्रम ग रोगीकान मैथिलीमे पहिल रोजन जागत अछि काका देरनागरीमे आ मिथिलाक्षरमे क्रम ग अक्षरक पहिल लिखल जागत आ रोजनो जखरीक टाली । काका जे हिन्दीमे एकव दोषपूर्ण उँटाका होगत अछि (लिखत तँ पहिल जागत अछि द्वाद रोजन रौदमे जागत अछि), से शिक्षा पछतिक दोषक काका हम सब ओकर उँटावण दोषपूर्ण ठगसँ क२ बहन छी ।

अछि- अ ग छ **अँछ (उँटाका)**

छथि- छ ग थ **छैथ (उँटाका)**

पहुँटि- प हूँ ग ट **पहुँटि (उँटाका)**

आरि अ आ ग ज ए अँ ओ उँ अँ अः म अँ सत लेन मात्रा सेहो अछि, द्वाद अँमे ज अँ ओ उँ अँ अः म केँ सहायक कणमे गगत कणमे प्रयाज आ उँटावित कथन जागत अछि । जेना म केँ वी कणमे उँटावित करै । आ देखियौ- अँ लेन देखिओ क प्रयोग अछि । द्वाद देखिअँ लेन देखियौ अछि । क सँ ह धवि अ समितित लेनसँ क सँ ह रँलेत अछि, द्वाद उँटाका कान हनप्रु हाज शैक अस्तुक उँटाकाक प्रवृत्ति रँठन अछि, द्वाद हम जखन मलाजमे ज अँमे रँजेत छी, तखना प्रकाका लोककेँ रँजेत सनरँहि- मलाज२, रात्रमे ओ अ हाज ज = ज रँजे छथि ।

हैव त्र अछि जू आ ए३ क सहाज द्वाद गगत उँटावण होगत अछि- गा । ओहिना अछि कू आ य क सहाज द्वाद उँटाका होगत अछि छ । हैव नै आ व क सहाज अछि त्रै (जेना त्रैकिक) आ स आ व क सहाज अछि स (जेना मिस) । त्र लेन त+व ।

उँटाकाक आँडियो फागन बिदेह आँकगल <http://www.videha.co.in/> पव उँगल अछि । हैव केँ / सँ / पव पूरि अक्षरसँ सँ क२ लिखु द्वाद तँ / क२ लँ क२ । अँमे सँ मे पहिल सँ क२ लिखु आ रौदरँना लँ क२ । अँकक रौद थँ लिखु सँ क२ द्वाद अँ थँ ग थँ लिखु लँ क२ जेना

लँ द्वाद सत थँ । हैव उँ थ सतय लिखु- लँ थ सतय लँ । धरँवमे रँवा द्वाद धरँवमे रँवा प्रयाज क२ ।

बहए-

बहै द्वाद सकेँ (उँटाका सकेँ-ए) ।

द्वाद कथला कान बहए आ बहै मे अर्थ भिन्नता सेहो, जेना से कना जगहमे पाँकिंग करँक अत्रास बहै ओकरा । प्रुढनापव गता नागन जे तुनतुन नामा अँ ड्रागलव कनष्ट बसक पाँकिंगमे काज करैत बहए ।

डले, डनए मे सेहो अँ तवहक लेन । डनए क उँटावण डन-ए सेहो ।

सँयोगल- (उँटाका सँयोगल)

केँ/ क२

केव- क (

केव क प्रयोग पछमे लँ क२, पछमे क२ सकेँ छी ।)

क (जेना बायक)

बायक आ सँग (उँटाका बाय के / बाय क२ सेहो)



सँ- स२ (उँटाव्वा)

चन्द्रबिन्दु आ अक्षुव्वाव- अक्षुव्वावमे कठ धविक प्रयोग होगत अछि दूदा चन्द्रबिन्दुमे ले । चन्द्रबिन्दुमे कलक एकावक सेहो उँटाव्वा होगत अछि- जेना वामसँ- (उँटाव्वा वाम स२) वामकेँ- (उँटाव्वा वाम क२/ वाम के सेहो) ।

केँ जेना वामकेँ भेन हिन्दीक को (वाम को)- वाम को= वामकेँ

क जेना वामक भेन हिन्दीक का (वाम का) वाम का= वामक

क२ जेना जा क२ भेन हिन्दीक कव (जा कव) जा कव= जा क२

सँ भेन हिन्दीक से (वाम से) वाम से= वामसँ

स२ , त२ , त , केव (गद्यमे) एते टाक शेट्, सरलक प्रयोग अरछित ।

के दोसव अर्थे प्रशुद्ध भ२ सकैए- जेना, के कहनक ? रिभक्ति "क" क रँदना एकव प्रयोग अरछित ।

नधि, नहि, ले, नग, नँग, नगँ, नगँ ए सभक उँटाव्वा आ लेखन - ले

उह क रँदनामे ह जेना महवृष्णि (महउहवृष्णि ले) जतए अर्थ रँदनि जए ओतहि मात्र तीन अक्षरक सँशुद्धक प्रयोग उँटित । सम्पति- उँटाव्वा स स ग त (सम्पति ले- काका सली उँटाव्वा आसानीसँ सञ्चर ले) । दूदा सर्रोतिम (सर्रोतिम ले) ।

वाह्रिय (वाह्रिय ले)

सकैए/ सकै (अर्थ परिवर्तन)

पोडिमे/ पोडि लेन/ पोडि लेन

पोडिए/ पोडि (अर्थ परिवर्तन) पोडि/ पोडि

उ लोकनि (लठी क२, उ ये रिकावी ले)

उअ/ उहि

उहि/

उहि लेन/ उले व२

जवरीं बैसरीं

गँचग्याँ

देधियोक/ (देधिउक ले- तहिना अ ये दान्न आ दीर्घक मात्राक प्रयोग अरछित)

जकाँ / जेकाँ



तँग/ तँ

हेत / हत

बहि/ बहि/ नँग/ नगँ/ ले

सौसे/ सौसे

रँच /

रँची (सोबाँव)

गाँ (गाँग बहि), ऋदा गाँगक दुब (गाँगक दुब ले ।)

बहलौं/ पहिबतौं

हमलौं/ खलौं

सरँ - सभ

सरँक - सभक

धवि - तक

गग- रौत

रूमरँ - समयरँ

रूमरँ/ समयरँ/ रूमरँ - समयरँ

हमरँ खँव - हम सभ

आकि- आ कि

सकैड/ कबैड (गद्यमे प्रयोगक आरंभकता ले)

होअ/ होनि

जाअ (जानि ले, जेना देव जाअ) ऋदा जाअ-रूमि (अर्थ परिवर्तन)

गअ/ जाअ

आड/ जाड/ आड/ जाड

मे, केँ, सँ, गव (शेडसँ सँ क२) तँ क२ ध२ द२ (शेडसँ सँ क२) ऋदा दूँ रा रँसी बिभक्ति सँग बहनागव पहिब बिभक्ति ठाँकेँ सँगुँ । जेना एँमे सँ ।

एकठाँ , दूँठाँ (ऋदा क२ ठाँ)

बिभावीक प्रयोग शेडक अन्तमे, रीचमे अन्तमे कएँ ले । आकावाँत आ अन्तमे अ क रौद बिभावीक प्रयोग ले (जेना दिअ

, आ/ दिअ , आ , आ ले)



अपेक्षितप्रयोग रिकारीक रँदनामे कवरँ अघुटित आ मात्र हासुँक तकनीकी नूनताक पविटायाक)-
उना रिकारीक सँकृत कष २ अरग्रह कलन जागत अछि आ रउनी आ उँचाका दूनु ठाम एकव लोप बहैत
अछि/ बहि सकेत अछि (उँचावणमे लोप बहैते अछि) । ऋदा अपेक्षितप्रयोगी सेहो अँधेजोमे गसेमिर
कसमे लोगत अछि आ हँचमे शैद्धमे जतए एकव प्रयोग लोगत अछि जेना *raison d'etre*
एतए सेहो एकव उँचावण लैजेल डेठव लोगत अछि, माल अपेक्षितप्रयोगी अरकामे लै दैत अछि रवण
जोडेते अछि, से एकव प्रयोग रिकारीक रँदना देनाग तकनीकी कषेँ सेहो अघुटित) ।

अगमे, एहिमे/ एँमे

जगमे, जाहिमे

एथन/ अँथन/ अँगथन

कँ (के नहि) मे (अँथनव बहैत)

त२

मे

द२

तँ (त२, त लै)

सँ (स२ स लै)

गाँठ तव

गाँठ वग

साँस थन

जो (जो go, करै जो do)

ते/तँ जेना- ते दूखारे/ तगमे/ तगले

जे/जँ जेना- जै कावण/ जगसँ/ जगले

एँ/अँ जेना- एँ कावण/ एँसँ/ अँगले/ ऋदा एकव एकठाँ थाम प्रयोग- नावति कतेक दिसँ कहैत
बहैत अँग

लै/लँ जेना लैसँ/ नगले/ लै दूखारे

नहँ/ लो

लैलो/ लैलो/ लैलँ/ लैलँ/ लैलँ/ लैलँ/ लैलँ

जँ/ जाहि/ जै



जहिया/ जाहिया/ जगिया/ जेया

एहि/ अहि

अग (बालक अतमे ब्राह्म) / अ

अगड/ अडि अड

तग/ तहि/ ते/ तहि

ओहि/ ओग

सीथि/ सीथ

जीरि/ जीरी/ जीर

बलेही/ बवहि

ते/ तग/ तै

जाथर/ जथर

नग/ नै

डग/ डै

बहि/ बै/ बग

गग/ गै

डनि/ डनि ...

समय मेरुंदक संग जखन कोला रिभक्ति जूठै छै तखन समे जना समेगव गत्यादि । असगवमे हदय
आ रिभक्ति जूठैल हददे जना हदमे, हदमे गत्यादि ।

जग/ जाहि

जे

जहिया/ जाहिया/ जगिया/ जेया

एहि/ अहि/ अग/ अ

अगड/ अडि अड

तग/ तहि/ ते/ तहि

ओहि/ ओग

सीथि/ सीथ



जीरि/ जीरी/

जीरं

जने/ जनेही/

भवहि

ते/ तंग/ तंग

जाधरं/ जाधरं

नग/ न

डग/ डे

नहि/ ले/ नग

गग/

ले

डगि डगि

दुकन अडि/ लोव गडि

२.२. मेथिलीमे भाषा सम्पादन गार्हस्थ्य

नीटॉक सूट्टीमे देन बिकम्पमेसँ लैंग्वाज एडिटर द्वावा कोल कप दूनन जेरॉक चाली:

रौलेड कएन कप ग्राह:

१. होयरना/ होरयरना/ होमयरना/ हेररना, हेमरना/ होयरॉक/होरयरना /होयरॉक

२. आ /आ२

आ

३. क लेल/क२ लेल/कय लेल/कय लेल/न /न२/नय/नय

४. भ गेल/भ२ गेल/भय गेल/भय

गेल

३. कब' गेनाह/कब२

गेनाह/कबय गेनाह/कबय गेनाह

३.

मिथ/दिथ मिथ ,दिय ,मिथ ,दिय /



१. कब' रँवा/कबर रँवा/ कबा रँवा कलेरँवा/क'ब' रँवा /

कलेरँवा

५. रँवा रना (शुक्रवा), रानी (सूनी) ९

.

थाइय थांग

५०. थायः थायल

५५. दुःख दुथ ५

२. चलि गेल चव गेल/चेल गेल

५३. देवबिह देवकिह, देवबिष

५४.

देखबहि देखबनि/ देखबैह

५३. डबिह/ डबहि डबिष/ डबैल/ डबनि

५७. चबैत/चैत चबति/चैति

५१. एथला

अथला

५५.

रँदनि रँदण रँदहि

५९. उ' /उ२(सरँगाम) उ

२०

. उ (संयोजक) उ' /उ२

२५. फांगि/फांगि फांगि/फांगि

२२.

जे जे /जे२ २३. ना-शुक्रव ना-शुक्रव

२४. केवहि/केवनि/कयलहि

२३. तखलत' / तखल त'

२७. जा

बल्य/जाय बल्य/जाय बल्य



२१. निकनय/निकनय

वागव/ वगव रूँहवाय/ रूँहवाय वागव/ वगव निकव /रूँहवै वागव

२४. उतय/ जतय जत / उत / जतय/ उतय

२६.

की कुवव जे कि कुवव जे

३०. जे जे /जे२

३१. कुदि / यादि(मोण पावर) कुगद/यागद/कुद/याद/

यादि (मोण)

३२. गहो/ उहो

३३.

हंस/ हंस हंस

३४. लो खाकि दम/लो किरा दम/ लो रा दम

३५. सानु-सनुव सानु-सनुव

३६. छह/ सात छ/छ:/सात

३७.

की की / की२ (दीर्घीकाराप्रत्यये २ रञ्जित)

३८. जराँ जराँ

३९. कवयताह/ कवयताह कवयताह

४०. दमान दिशि दमान दिशि/दमान दिस

४१

. लोवह गवह/गवह

४२. किड खाव किड उव/ किड खाव

४३. जाग छव जागत छव जाति छव/जेत छव

४४. गहूँटा जेँ जागत छव जेँ जाग छव गहूँटा/ जेँ जागत छव

४५.

जराँ (शरा)/ जराँ(शोजी)

४६. वय/ वय क / क२/ वय क३ / व२ क२/ व२ क३



४१. व / व२ कय/

कए

४४. एथन / एथल / अथन / अथल

४६.

अथिके अथिके

३०. गलीव गलीव

३१.

धाव गाँव केनाथ धाव गाँव केनाथ/केनाथ

३२. जेकाँ जेकाँ

जकाँ

३३. तहिना तेहिना

३४. एकव अकव

३३. रैहिनउ रैहिलाग

३६. रैहिन रैहिन

३१. रैहिन-रैहिलाग

रैहिन-रैहिनउ

३४. नहि/ ले

३६. कवरौ / कवरौय/ कवरौथ

३०. तँ/ त २ तय/तए

३५. तैयावी ये जेठ-भाए/तेँ, जेठ-भाय/जग

३२. गिजतीये दू भाग/भाए/जग

३३. गी पौथी दू भाकक/ जग/ भाए/ जेव । यारत जारत

३४. माय ये / माए दूद माकक मयत

३३. देहि/ दजग दगि/ दएहि/ दयहि दहि/ दैहि

३६. द / द२/ दए

३१. उ (संयोजक) उ२ (सररिगा)

३४. तका कए तकय तकथ



547X VIDEHA

७६. पोले (on foot) पथल कथक/ कैक

१०.

ताहुमे/ ताहुमे

११.

प्रतीक

१२.

रैला कय कथ / क२

१३. रैलनाय/रैलनाथ

१४. लावा

१३.

दिया दिका

१३.

ततथि

११. गवरौवलि/ गवरौवनि/

गवरौवलि/ गवरौवनि

१४. राव राव

१६.

तेह टिह(थरु)

+०. जे जे'

+१

. से/ से से /से'

+२. एथुनका अथुनका

+३. भुमिहाव भुमिहाव

+४. सुभव

/ सुभवका सुभव

+३. सठहाक सठहाक +३.

भुमि



†१. कवञायो/उ कवेयो ल देवक /कवियो-कवञायो

††. पुरावि

पुराव

†१. सगड 1-साँटी

सगड 1-साँटी

१०. पखे-पखे पौले-पौले

११. खेवखेक

१२. खेखेक

१३. वगा

१४. लेख-ले लेख

१५. बुँसव बुँसव

१६.

बुँसव (सिरोधन अर्थमे)

१७. येह यख / अख/ सेह/ सख

१८. तातिव

१९. अखाय-अखाय/अखाय/अखाय

२०. निन्न-निन्द

२१.

बिबु बिब

२२. खख खख

२३.

खख (in different sense)-last word of sentence

२४. छत पव अखि खख

२५.

ल

२६. खेवाय (play) - खेवाय

२७. शिकायत- शिकायत



504.

ठग- ठग

505

. गठ- गठ

550. कनिए/ कनिये कनिये

555. बाकस- बाकसे

55२. लोअ/ लोय लोअ

55३. अडवदा-

उबदा

55४. बुंसेवहि (different meaning- got understand)

55५. बुंसेवहि/बुंसेवनि/ बुंसेवहि (understood himself)

55६. चलि- चव/ चवि लाव

557. खयाअ- खयाय

554.

मोस गाडवबिह/ मोस गाडवबिनि/ मोस गाडवबिह

55८. केक- कक- ककक

5२०.

वग वग

5२5. जवणाअ

5२२. जवणाअ जवणाअ- जवणाअ/

जवणाअ

5२३. लोअत

5२४.

गबरेवहि/ गबरेवनि गबरेवहि/ गबरेवनि

5२५.

टिबेत- (to test) टिबेत



१२७. कबज्यो (willing to do) करैयो

१२१. जेकवा- जकवा

१२४. तकवा- तेकवा

१२९.

बिदेसब सुलमे/ बिदेसबे सुलमे

१३०. कबरैयजहुँ/ कबरैएजहुँ/ कबरैजहुँ कबरैबौ

१३१.

हाबिक (उंचाका लखबक)

१३२. ओज्ज रज्ज अथसोचा/ अथसोस कागत/ कागचा/ कागज

१३३. आषे भाग/ आष-भाग

१३४. गिटा / गिताय/ गिता

१३५. लप/ ल

१३६. रैठा लप

(ले) गिता जाय

१३१. तकल ल (लप) कहैत अछि। कहै/ सुलै देबै छव दूदा कहैत-कहैत/ सुलैत-सुलैत/ देबैत-देबैत

१३४.

कतेक लोठै/ कतक लोठै

१३९. कमाज-कमाज/ कमाज- कमाज

१४०

वग वग

१४१. खेवाज (for playing)

१४२.

ठबिहा ठबिहा

१४३.

लोगत लोगत

१४४. का कियो / केउ



१४३.

कमे (hair)

१४७.

कस (court-case)

१४१

कनका/ कनका/ कनका

१४४. कनका

१४९. कर्मा कर्मा

१३०. चर्चा चर्चा

१३१. कर्म कर्म

१३२. डूराँ/ डूराँ/ डूराँ/ डूराँ/ डूराँ

१३३. एखनका/

एखनका

१३४. कथ/ कथ (राकाक अंतिम गेह)- कथ

१३५. कथक/

कथक

१३६. कर्मा कर्मा

१३१

कवने कवने

१३४. कना कना/ कना/ कना

१३९. कना-कना

१७०.

कना ल कवने/ कना ल कवने

१७१. कना / कना

१७२.

कना कना

१७३. कना/ कना कना



१७४. उंमबिगब-उंमेवगब उंमबगब

१७५. भबिगब

१७६. बोल/बोथब बोल

१७७. गग/गग्ग

१७८.

क क

१७९. दवरँब/ दवरँज

१८०. ठाथ

१८१.

धबि तक

१८२.

धुबि लोष्ट

१८३. बोलबरेक

१८४. बँड

१८५. तौ/ तूँ

१८६. तौँहि(गथमे ज्राथ)

१८७. तौँरी / तौँरि

१८८.

कवरँगथ कवरँगथे

१८९. एकैठा

१९०. कबितथि / कबतथि

१९१.

गँडि/ गँड

१९२. बाथवहि बथवहि/ बथवनि

१९३.

वगवहि वगवनि वगवहि

१९४.



बुनि (डुंछावा बुण)

१+३. अछि (डुंछावा अगुछ)

१+७. एवधि लोवधि

१+१. रिंतउला/ रिंतोला/

रिंतोला

१++ कवरौउवहि/ कवरौवधि

करेवधिह/ करेवधि

१+६. करेवहि/ करेवधि

१६०.

आकि/ कि

१६१. गहुँटा

गहुँट

१६२. रौंती जवाय/ जवाय जवा (आणि नगा)

१६३.

से से

१६४.

हौं मे हौं (हौंमे हौं रिंतकिंतमे लीं कय)

१६३. खेव खेव

१६७. फुजव(spacious) खेव

१६१. होयतहि/ होयतहि/ होयतनि/होयतनि/ हेतहि

१६४. हाथ मटियाएर/ हाथ मटियाएर/हाथ मटियाएर

१६६. खेका खेका

२००. देखाए देखा

२०१. देखाए

२०२. सतवि सतव

२०३.



माहुरे माहुरे

२०४. गोलैह/ लावहि/ लावनि

२०५. हेरौक/ लेखरौक

२०६. केजो/ कएजह/ केजो केव

२०७. किछ न किछ/

किछ ल किछ

२०८. घुमेजह/ घुगउजह/ घुमेजो

२०९. एजाक/ अएजाक

२१०. अः/ अह

२११. नया/

नय (अर्थ-परिवर्तन) २१२. कनीक/ कलक

२१३. सरौलक/ सलक

२१४. गिजा२/ गिजा

२१५. क२/ क

२१६. जा२/

जा

२१७. आ२/ आ

२१८. भ२ / भ' (" शकिक कमीक आतक)

२१९. गियम/ गियम

२२०

.लेखैअवा/ लेखैअव

२२१. पहिअ अकव आ रौदक/ रौदक ठ

२२२. तहि/ तहि/ तहि/ ते

२२३. कहि/ कही

२२४. तँअ/

ते / तँअ

२२५. नँग/ नँग/ नहि/ नहि



२२७. हे/ हए / एवीहें/

२२१. छमि/ छै/ छैक / छग

२२४. दृष्टिअँ/ दृष्टियै

२२६. थी (come)/ थीर (conjunction)

२३०.

थी (conjunction)/ थीर (come)

२३१. कना/ कोना/ कोना/ कना

२३२. गोलैह-गोलहि-गोलनि

२३३. लैरौक- लोएरौक

२३४. केलौ- कएलौ- कएलहुँ/ केलौ

२३५. किड न किड- किड ल किड

२३६. कहैण- कहण

२३७. थीर (come)- थीर (conjunction-and)/ थीर । थीर- थीर / थीरह- थीरह

२३८. हएत- हेत

२३९. घुमेनहुँ- घुमेनहुँ- घुमेनाए

२४०. एनाक- अनाक

२४१. लोनि- लोण/ लोहि/

२४२. उ- वाग उ अनाक रीट (conjunction), उर कहनक (he said)/ उ

२४३. की हए/ कोसी अएवी हए/ की हे । की हग

२४४. दृष्टिअँ/ दृष्टियै

२४५.

. मोमिवा/ ममेव

२४६. तौ / तँ/ तमि/ तहि

२४७. जौ

/ जाँ जाँ

२४८. सभ/ सरै

२४९. सभक/ सरैक



२३०. कहि/ कही

२३१. कला/ कोला/ कोलहूँ/

२३२. कबकती भय कोव/ भय कोव/ भय कोव

२३३. कोना/ कोना/ कना/ कना

२३४. अः/ अह

२३५. जले/ जगण

२३६. कोवनि/

कोवह (अर्थ परिवर्तन)

२३७. केवहि/ केवहि/ केवनि/

२३८. नय/ नय/ नयह (अर्थ परिवर्तन)

२३९. कर्क/ कलक/ कर्क-मर्क

२४०. गठवहि गठवनि/ गठवण/ गठवणहि/ गठवणनि/

२४१. निशय/ निशय

२४२. हेवहअव/ हेवहअव

२४३. गहिव अकव कहल ठा रीचमे कहल ठ

२४४. आकावाप्तमे रिकारीक प्रयोग उचित ले/ अपोद्धातरीक प्रयोग हान्कत तकनीकी नूनताक परिचायक
ओकव रौदना अरगत (रिकारी) क प्रयोग उचित

२४५. केव (पगमे आह) / -क/ क२/ के

२४६. ठैहि- ठहि

२४७. कोये/ कोये

२४८. कोएत/ कोएत

२४९. कोएत/ कोएत/

२५०. कोएत/ कोएत/ कोएत

२५१

. कोएत/ कोएत/ कोएत

२५२. कोएतरीक/ कोएतरीक/ कोएतरीक

२५३. कक/ कक



२१४. गुकले/ गुकए

२१३. अणताह/ अणताह/ एताह/ एताह

२१३. जाहि/ जाग/ जग/ जे/

२११. जागत/ जेतए/ जगतए

२११. अणन/ अणन

२१०. केक/ कएक

२१०. अणन/ अणन/ अणन

२१५. जाए/ जखए/ जए (नावति जाए नगनीह ।)

२१२. गुकएन/ गुकाएन

२१३. कर्तुअणन/ कर्तुअणन

२१४. ताहि/ तै/ तग

२१३. गायरौ/ गापरौ/ गपरौ

२१३. सके/ सकए/ सकय

२११. सेवा/सवा/ सवाए (भात सवा गोन)

२११. कहेत बली/देथेत बली/ कहेत छलौ/ कहे छलौ- अहिना छलौ/ गटेत

(गटे-गटेत अर्थ कथला काव परिवर्तित) - आव बुसे/ बुसेत (बुसे/ बुसे छी कदा बुसेत-बुसेत)/ सकेत/ सके । करेत/ करे । दे/ देत । डेक/ डे । रचलौ/ रचलौक । बखरौ/ बखरौक । विग/ विग । वातिक/ वातिक बुसे आ बुसेत केव अण-अण जगहण श्रयोग समीप अछि । बुसेत-बुसेत आर बुसविष । लमहँ बुसे छी ।

२१०. दुखी/ दुख

२१०. तेर/ तेर/ तेर

२१५.

ख/ खी/ खुना (जेव ख/ जेव खी)

२१२. तक/ धवि

२१३. ग२/ लौ (meaning different - जगहौ ग२)

२१४. स२/ सँ (कदा द२, न२)

२१३. उह/ (तीण अक्षरक मेन रदना गुणकत्रिक एक आ एकठा दोसबक उपयोग) आदिक रदना ह्र आदि । महउह/ महह/ कर्ता/ कर्ता आदिये त संशुक्त कोला आरशुक्तता मेथिलीमे ले अछि । रउह



२९७. रैसी/ रैसी

२९१. रौना/ राना रौना/ रना (बहेरौना)

२९४

२. रावी/ (रिंदखेरावी)

२९९. राती/ राती

३००. खनुबहिदिय/ खनुबहिदिय

३०१. खस/ खस

३०२. खसबका/ खसबका

३०३. खली/ खली (

बेहेत/ बेहेत)

३०३. खग/ खग

३०४. खरी/ खरी

३०५. खखक/ खखक

३०६. खी (come)/ खी (and)

३०७. खयाताग/ खयाताग

३०८. २ केब खरहाब शिदक खनुमे मात, खयासुभर खीटमे ले ।

३०९. खहेत/ खहे

३१०.

खस (खस)/ खहे (खस) (meaning different)

३११. खगति/ खगति

३१२. खयाग/ खयाग

३१३. खौग/ खौगि/ खौगि

३१४. खगति/ खगति

३१५. खगज/ खगज/ खगत

३१६. खस (meaning different - swallow)/ खस (खस)

३१७. खदिय/ खदिय

DATE-LIST (year - 2012-13)



(१४२०) शुभदी पाव (

Marriage Days:

Nov.2012 – 25, 26, 28, 29, 30

Dec.2012 – 5,9, 10, 13, 14

January 2013 – 16, 17, 18, 23, 24, 31

Feb.2013 – 1, 3, 4, 6, 8, 10, 14, 15, 18, 20, 24, 25

April 2013 – 21, 22, 24, 26, 29

May 2013 – 1,2,3,5,6,9,12,13,17,19,20,22,23,24,26,27,29,30,31

June 2013 – 2,3

July 2013 – 11, 14, 15

Upanayana Days:

January 2013 – 16

February 2013 – 14, 15, 20, 21

April 2013 – 22

May 2013 – 20, 21

Dviragaman Din:

November 2012 – 25, 26, 28, 29

December 2012 – 2, 3, 14

February 2013 – 14, 15, 18, 20, 21, 22, 27, 28

March 2013 – 1

April 2013 – 18, 22, 24, 26, 28, 29

May 2013 – 12, 13

Mundan Din:



November 2012 – 26, 30

December 2012 – 3

January 2013 – 18, 24

February 2013 – 1, 14, 15, 20, 28

April 2013 – 17

May 2013 – 13, 23, 29

June 2013 – 13, 19, 26, 27, 28

July 2013 – 10, 15

FESTIVALS OF MITHILA (2012–13)

Mauna Panchami – 08 July

Madhusravani – 22 July

Nag Panchami – 24 July

Raksha Bandhan – 02 Aug

Krishnastami – 10 August

Kushi Amavasya / Somvari Vrat – 17 August

Vishwakarma Pooja – 17 September

Hartalika Teej – 18 September

ChauthChandra – 19 September

Karma Dharma Ekadashi – 26 September

Indra Pooja Aarambh – 27 September

Anant Caturdashi – 29 Sep

Agastyarghadaan – 30 Sep



Pitri Paksha begins - 30 Sep
Jimmotavahan Vrat a/ Jitija - 08 October
Matri Navami - 09 October
Somvati Amavasya Vrat - 15 October
Kalashstapan - 16 October
Belnauti - 20 October
Patrika Pravesha - 21 October
Mahastami - 22 October
Maha Navami - 23 October
Vijaya Dashami - 24 October
Kojagara - 29 Oct
Dhanteras - 11 November
Diya bati, shyama pooja - 13 November
Annakoota/ Govardhana Pooja - 14 November
Bhratri dwitija/ Chitrakoota Pooja - 15 November
Chhatthi - 19 November
Devottan Ekadashi - 24 November
ravi vratarambh - 25 November
Navanna parvan - 25 November
Kartik Poorni ma - Sama Visarjan - 28 November
Vivaha Panchmi - 17 December
Makar a/ Teela Sankranti - 14 Jan
Naraknavaran chaturdashi - 08 February



Basant Panchami / Saraswati Pooja - 15 February

Achha Saptami - 17 February

Mahashivaratri - 10 March

Holikadahan - Fagua - 26 March

Holi - 28 March

Varuni Trayodashi - 07 April

Chaiti Navaratri - 11 April

Jurishital - 15 April

Chaiti Chhativrat - 16 April

Ram Navami - 19 April

Ravi Bratant - 12 May

Akshaya Tritiya - 13 May

Janaki Navami - 19 May

Vat Savitri - Barasait - 08 June

Ganga Dashhar - 18 June

Somavati Amavasya Vrat - 08 July

Jagannath Rath Yatra - 10 July

Hari Sayan Ekadashi - 19 July

Aashadhi Gurupurnima - 22 July

VI DEHA ARCHIVE

पत्रिकाक सबठा पुरान अंक ब्रैल-बिदेह अ, तिवहता आ देरणागरी कसमे Videha e journal's
all old issues in Braille Tirhuta and Devanagari versions

बिदेह अंक ३.० पत्रिकाक पहिल -



बिदेह का मैं आगाँक अंक ३० पत्रिका -

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha/>

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archi-ve-part-i/>

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archi-ve-part-ii/>

२. मैथिली पोथी डाउनलोड Maitthili Books Download

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-pothi>

इडियो संकलन आँ मैथिली. Maitthili Audio Downloads

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-audio>

४. मैथिली वीडियो संकलन Maitthili Videos

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-videos>

३. आधुनिक चित्रकला आ चित्र / चिथिना चित्रकला. Mthila Painting/ Mbdern Art and Photos

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-paintings-photos/>

बिदेहक एहि सब मल्लयोगी विकसव सेहो एक खेब जाई ।

७. बिदेह मैथिली क्लिप :

<http://videhaquiz.blogspot.com/>

१. बिदेह मैथिली जानबूत एग्रीजेशन :

<http://videha-aggregation.blogspot.com/>

४. बिदेह मैथिली साहित अंग्रेजीमे अर्बुदित

<http://madhubani-art.blogspot.com/>

९. बिदेहक पूर्व-कप "भाजसविक गाछ" :

<http://gajendratihakur.blogspot.com/>

१०. बिदेह गडिआ :

<http://videha123.blogspot.com/>

११. बिदेह फागल :

<http://videha123.wordpress.com/>



१२. बिदेह: सदेह : पहिन तिवहूता (मिथिलासुबर) जानरूत (रौंग)।

<http://videha-sadeha.blogspot.com/>

१३. बिदेह:ब्रैन: मैथिली ब्रैनमे: पहिन रौव बिदेह द्वावा

<http://videha-brain.blogspot.com/>

१४.VI DEHA I ST MAI THI LI FORTNI GHTLY EJ OURNAL ARCHI VE

<http://videha-archives.blogspot.com/>

१५. बिदेह प्रथम मैथिली पाष्किक ङ पत्रिका मैथिली सौथीक आर्कागर

<http://videha-pot.blogspot.com/>

१६. बिदेह प्रथम मैथिली पाष्किक ङ पत्रिका ऑडियो आर्कागर

<http://videha-audio.blogspot.com/>

१७. बिदेह प्रथम मैथिली पाष्किक ङ पत्रिका रीडियो आर्कागर

<http://videha-video.blogspot.com/>

१८. बिदेह प्रथम मैथिली पाष्किक ङ पत्रिका मिथिला चित्रकला, आधुनिक कला आ चित्रकला

<http://videha-paintings-photos.blogspot.com/>

१९. मैथिल आर मिथिला (मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय जानरूत)

<http://maithilaurmaithila.blogspot.com/>

२०.श्रुति प्रकाशिन.

<http://www.shruti-publication.com/>

२१.<http://groups.google.com/group/videha>

२२.http://groups.yahoo.com/group/VI_DEHA/

२३.गजेन्द्र ठासुबर गडेसु

http://gajendratyakur123.blogspot.com


२४. लला ठुठका




<http://mangan-khabas.blogspot.com/>

२३. बिदेह वेडियोकरित आदिक गहिन पोडकाष्ट मागष्ट-मैथिली कथा:

<http://videha123radio.wordpress.com/>

२३.  [Videha Radio](http://videharadio.com/)

२१.  [Join official Videha facebook group.](http://joinofficialvidehafacebookgroup.com/)

२४. बिदेह मैथिली बाष्ट उमेर

<http://maithili-drama.blogspot.com/>

२६. समादिया

<http://esamad.blogspot.com/>

३०. मैथिली फिल्म

<http://maithilifilms.blogspot.com/>

३१. अचिहार आथर

<http://anchinharakharakolkata.blogspot.com/>

३२. मैथिली हागकु

<http://maithili-haikub.blogspot.com/>

३३. माणक मैथिली

<http://manak-maithili.blogspot.com/>

३४. बिरुषि कथा

<http://vihani-katha.blogspot.in/>

३३. मैथिली करित

<http://maithili-kavita.blogspot.in/>

३३. मैथिली कथा

<http://maithili-katha.blogspot.in/>



ejournal विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह'१३२ म अंक १५ जून २०१३ (वर्ष ६ मास ६६ अंक १३२)
547X VIDEHA

माथिलिह संस्कृतम् ISSN 2229-

श.ऐथिनी समालोचना

<http://maithili-samalochna.blogspot.in/>

महत्त्वपूर्ण सूचना: The Maithili pdf books are AVAILBLE FOR free PDF DOWNLOAD AT

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha/>

<http://videha123.wordpress.com/>

<http://videha123.wordpress.com/about/>





बिदेह-सदर: १: २: ३: ४: ५: ६: ७: ८: ९: १० "बिदेह"क छिठि संस्करण: बिदेह-३-पत्रिका
(<http://www.videha.co.in/>) क छन बचना समिति ।

संपादक: गजेन्द्र ठाकुर ।

Details for purchase available at publisher's (print-version) site
<http://www.shruti-publication.com> or you may write to
shruti_publication@shruti-publication.com

बिदेह



मैथिली साहित्य आन्दोलन

(c) 2008-13. सर्वाधिकार लेखकारीन आ जतए लेखकक नाम नहि अछि ततए संपादकारीन । बिदेह- प्रथम मैथिली पारिषदक ३-पत्रिका । ISSN 2229-547X VI DEHA संपादक: गजेन्द्र ठाकुर । सह-संपादक: उमेश मंडल । सहायक संपादक: निर कमार सा आ कृष्णाजी (मलाज कमार कर्ण) । ज्यो-संपादक: नारायण कमार सा आ पद्मिकाब विद्यानंद सा । कव-संपादक: ज्ञानि सा टोषरी आ बग्नि लेखा मिश्र । संपादक-सोध-अनुसंधा: डा. ज्यो रमा आ डा. बज्जोर कमार रमा । संपादक- गणक-वर्ग-चेर-रेखेन ठाकुर । संपादक- सूचना-संपर्क-समाद- पुनम मंडल आ हिरिका सा । संपादक- अनुवाद विभाग- बिनीत उमेश ।

बचनाकाब अपन मौलिक आ अप्रकाशित बचना (जकब मौलिकताक संपूर्ण उतबदासिह लेखक गणक मध्य छि) ggajendra@videha.com के मेन अटैचमेण्टक रूपमे doc, docx, rtf वा txt फॉर्मेटमे पठा सकैत छथि । बचनाक संग बचनाकाब अपन सक्रिय परिचय आ अपन कएन कएन लेखकक लेखकक पतेतह, से आशा करैत छी । बचनाक अंतमे पीएचए बहस, जे ३ बचना मौलिक अछि, आ पहिल प्रकाशकक हेतु बिदेह (पारिषद) ३ पत्रिकाले देन जा बहन अछि । मेन प्राप्ति होयरीक बाद यथार्थतः शीघ्र (सात दिनक भीतब) एकब प्रकाशकक अंकक सूचना देन जायत । 'बिदेह' प्रथम मैथिली पारिषदक ३ पत्रिका अछि आ एमे मैथिली, संस्कृत आ अंग्रेजीमे मिथिला आ मैथिलीसँ संरचित बचना प्रकाशित कएन जागत अछि । एहि ३ पत्रिकाले त्रैमासिक नमूना ठाकुर द्वारा मासक 05 आ 13 तिथिके ३ प्रकाशित कएन जागत अछि ।

(c) 2004-13 सर्वाधिकार सुरक्षित । बिदेहमे प्रकाशित सभ्ठा बचना आ आर्काइवरक सर्वाधिकार बचनाकाब आ संग्रहकर्ताक नगमे छि । बचनाक अनुवाद आ पुनः प्रकाशक किरा आर्काइवरक उपयोगक अप्रिकाब किराक हेतु ggajendra@videha.com पब संपर्क कक । एहि सांगके त्रैमासिक नमूना ठाकुर, मधुनिका टोषरी आ बग्नि शिवा द्वारा डिजाइन कएन गेल ।



ejournal बिदेह प्रथम मेथिली भाषिक ई पत्रिका बिदेह'१३२ म अंक १५ जून २०१३ (वर्ष ६ मास ६६ अंक १३२)

गान्धीय संस्कृतम् ISSN 2229-

547X VIDEHA



मिहि वडु

